दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 232 | भोपाल, शनिवार 6 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

लता-आशा की वजह से रफी साहब का गिनीज बुक में दर्ज नहीं हो सका नाम

शाहिद रफी ने लगाए दोनों बहनों पर पिता का कॅरियर बर्बाद करने के आरोप

मुंबई। बॉलीवुड सिनेमा के सुरों के सरताज मोहम्मद रफी, कोकिला लता मंगेशकर और आशा भोसले किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। तीनों गायकों ने दशकों तक अपनी मधुर और शानदार आवाज से लोगों का दिल जीता है और भारतीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान दिलाई है। वहीं, हाल ही में मोहम्मद रफी के बेटे शाहिद रफी ने लता और आशा भोसले को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए और कई गंभीर आरोप भी लगाए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शाहिद रफी ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा कि उनकी नजर में दोनों बहनें लता और आशा को उनके पिता मोहम्मद रफी की लोकप्रियता से जलन थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी ईर्ष्या के चलते मोहम्मद रफी का करियर प्रभावित हुआ था। शाहिद ने दावा किया कि दोनों बहनों ने मिलकर उनके पिता को पीछे धकलने करने की कोशिश की और संगीत जगत में उनके योगदान को कमतर दिखाने की कोशिश की,

लेकिन ऐसा नहीं हो सका आज भी रफी के गानों के लोग दिवाने हैं और उनके चाहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में सबसे ज्यादा गाने गाने वाले गायक के नाम के तौर पर मोहम्मद रफी का नाम दर्ज था। शाहिद ने कहा जब उनका नाम सामने आया तो लता मंगेशकर ने आपत्ति जताई और खुद को आगे रखा। इसी विवाद के बाद गिनीज में रफी साहब का नाम पीछे कर दिया गया और मामला लंबित हो गया। शाहिद ने आरोप लगाया कि अगर वो ऐसा नहीं करती तो उनके पिता मोहम्मद रफी को यह सम्मान जरूर मिलता। आशा भोंसले ने कभी कहा था कि रफी साहब की आवाज में रेंज नहीं थी। इस पर शाहिद ने कहा कि उनके पिता की आवाज की विविधता पर सवाल उठाना नासमझी है। उन्होंने कहा कि रफी साहब कभी यह नहीं पूछते थे कि गाना किस एक्टर पर फिल्माया जाएगा, बल्कि वह गाने की स्थिति और भावनाओं के हिसाब से अपनी आवाज को ढालते थे। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत और क्वालिटी थी। बता दें मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर के बीच मतभेद की खबरें कई बार सामने आईं। शाहिद ने खुलासा किया कि उनकी अनबन इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे से लंबे समय तक बात नहीं की। हालांकि बाद में अभिनेत्री नरगिस और संगीतकार जयकिशन की पहल पर रफी साहब ने लता मंगलेशकर को माफ कर दिया। इसके बाद दोनों ने एक इवेंट में एक साथ परफॉर्म भी किया था।

जॉली एलएलबी 3 की रिलीज पर रोक से हाईकोर्ट का इनकार

कहा- ट्रेलर में वकीलों के खिलाफ कुछ नहीं

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने फिल्म जॉली एलएलबी 3 की रिलीज पर रोक लगाने संबंधी याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ट्रेलर या गानों में ऐसा कोई आपत्तिजनक अंश नहीं है, जो वकीलों या न्यायपालिका की छवि को धूमिल करता हो। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति बृज राज सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश जयवर्धन शुक्ला की याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया। अदालत ने कहा, कि हमने फिल्म के तीन आधिकारिक ट्रेलर/टीजर देखे हैं। इनमें किसी तरह की आपत्तिजनक सामग्री नहीं पाई गई। यहां तक कि गाना भाई वकील है भी वकीलों की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाता। याचिकाकर्ता की दलील थी कि फिल्म के ट्रेलर और गाने सोशल मीडिया व यूट्यूब पर बड़े पैमाने पर प्रसारित हो रहे हैं, जिससे अधिवक्ताओं की छवि धूमिल हो रही है और न्यायपालिका की गरिमा प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि पिछली कड़ियों में भी वकीलों को नकारात्मक रूप में दिखाया गया था। वहीं, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडेय ने कहा कि याचिका विचारणीय नहीं है, क्योंकि याचिकाकर्ता ने इस संबंध में किसी सक्षम प्राधिकारी को प्रत्यावेदन दिए बिना सीधे कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इसी के साथ हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने याचिका खारिज करते हुए फिल्म रिलीज पर रोक लगाने से इंकार कर दिया।

बालाकोट एसरस्ट्राइक के बाद भारत-पाकिस्तान दोनों ने सीखे सबक- सीडीएस जनरल अनिल चौहान

गोरखपुर। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि बालाकोट एयरस्ट्राइक के बाद भारत और पाकिस्तान ने अलग-अलग सबक सीखे। भारत ने जहां लंबी दूरी तक मार करने वाले प्रिसिजन हथियार और हमले के बाद नुकसान का आकलन करने की क्षमता पर ध्यान दिया, वहीं पाकिस्तान ने संभवतः अपनी एयर डिफेंस प्रणाली को मजबूत करने पर फोकस किया।

गोरखपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में सीडीएस जनरल चौहान ने कहा कि जब राजनीतिक नेतृत्व से चर्चा हुई तो यह साफ हो गया कि सिर्फ ड्रोन और लोटरिंग म्यूनिशन (घूमते हुए लक्ष्य तलाशने वाले हथियार) से लक्ष्य हासिल नहीं होगा। बहावलपुर और मुरिदके में आतंकी ठिकाने तबाह करने के लिए एयर पावर का इस्तेमाल जरूरी था। सीडीएस चौहान ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार ने सेना को साफ निर्देश दिए थे कि आतंकी ठिकाने नष्ट करने हैं और तभी जवाबी कार्रवाई करनी है जब पाकिस्तान हमला करे। इस ऑपरेशन में सेना को पूरी आजादी मिली थी, चाहे वो योजना बनाना हो या लक्ष्य चुनना। जनरल चौहान ने याद दिलाया कि 2016 में उरी हमले के बाद भारतीय सेना ने जमीनी रास्ते से पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के कैंप तबाह किए।

न्यूज, ब्रीफ

सहयोगियों के बहिष्कार से दुविधा में कांग्रेस

नई दिल्ली। जेल में बंद मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने से जुड़े विधेयकों पर गठित होने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को लेकर कांग्रेस गहरे संकट में है। सरकार लगातार कांग्रेस से समिति के लिए नाम देने को कह रही है, लेकिन पार्टी अब तक चुप्पी साधे हुए है। वजह है, उसके सहयोगी दलों का बहिष्कार। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वे जेपीसी का हिस्सा नहीं बनेंगे। माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी और शिवसेना भी इसी राह पर चल सकती हैं। वाम दल (सीपीएम) ने भी समिति से बाहर रहने का निर्णय लिया है। ऐसे में कांग्रेस की दिक्कत यह है कि अगर वह जेपीसी में शामिल होती है तो विपक्षी एकता पर सवाल उठेंगे, और अगर नहीं होती तो सरकार को खुला मैदान मिल जाएगा। कांग्रेस ने दूसरी संसदीय समितियों, जैसे- जन विश्वास संशोधन विधेयक और दिवाला संहिता संशोधन विधेयक पर लोकसभा की सेलेक्ट कमेटियों में अपने सांसदों के नाम दे दिए हैं।

गेस्टहाउसों में देह व्यापार की सूचना पर पुलिस ने मारे छापे

मथुरा। पावन नगरी मथुरा में देह व्यापार का धंधा जोरों पर फल-फूल रहा, जिसकी सूचना पुलिस को मिली तो पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर दी। पुलिस ने छापेमारे के बाद देह व्यापार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो गेस्टहाउस में कथित देह व्यापार गिरोह के सक्रिय होने की बात कही है और उनके शिकंजे से करीब 15 महिलाओं को मुक्त भी कराया है। पुलिस अधिकारियों से प्राप्त जानकारी अनुसार बृहस्पतिवार शाम को कोतवाली और हाईवे थाना क्षेत्रों में पुलिस ने छापामार कार्रवाई की थी। पुलिस उपाधीक्षक आशना चौधरी ने बताया कि पिछले दिनों भी इसी तरह से दो अतिथि गृहों से अवैध एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त 15 युवतियों को मुक्त कराया गया।

गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच को लेकर हाईकोर्ट में लगाई याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें देशभर के गैर-मान्यता प्राप्त संस्थानों की जांच कराने की मांग की गई है। याचिका में विशेष रूप से बाराबंकी स्थित श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी का जिक्र किया गया है, जहां कथित तौर पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की मान्यता के बिना छात्रों को विधि पाठ्यक्रमों में दाखिला दिए जाने का मामला उठाया गया है। जानकारी अनुसार याचिकाकर्ता सौरभ सिंह की ओर से अधिवक्ताओं सिद्धार्थ शंकर दुबे और अनिमेष उपाध्याय द्वारा दाखिल इस याचिका में अदालत से अनुरोध किया गया है कि बीसीआई को निर्देशित किया जाए कि वह अपनी वेबसाइट पर सभी मान्यता प्राप्त और गैर-मान्यता प्राप्त विधि महाविद्यालयों की सूची सार्वजनिक रूप से जारी करे। याचिका को न्यायालय की रजिस्ट्री में प्रस्तुत कर दिया गया है और इसकी सुनवाई अगले सप्ताह होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

ज्ञान का दान सेवा भी है और समर्पण भी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षक आगे आयें : राज्यपाल पटेल

प्रदेश के 55 लाख विद्यार्थियों को गणवेश खरीदने 330 करोड़ राशि हुई अंतरित

भोपाल । राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिक्षक दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। साथ ही शासकीय विद्यालयों में कक्षा एक से 8 तक के 55 लाख विद्यार्थियों के खातों में शाला गणवेश की 330 करोड़ की राशि अंतरित की। आर.सी.व्ही.पी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी तथा नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षकों को क्रमोन्नत योजना प्रभावशील होने से चतुर्थ समयमान वेतनमान के लाभ के समरूप

चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान का लाभ दिये जाने की घोषणा की। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा है कि समय की जरूरत है कि सामाजिक चुनौतियों के समाधान के लिए शिक्षक आगे आयें और परिवार एवं समाज का मार्गदर्शन करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य पर कार्य किया जा रहा है।

एक लाख 50 हजार शिक्षकों को मिलेगा चतुर्थ समयमान वेतनमानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने घोषणा की प्रदेश के शैक्षणिक संवर्ग के सहायक शिक्षक, उच्च शिक्षक, नवीन शैक्षणिक संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक, माध्यमिक शिक्षकों को चतुर्थ समयमान वेतनमान दिया जाएगा। इससे प्रदेश के 1 लाख 50 हजार शिक्षक लाभान्वित होंगे। इसके लिए जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव लाया जाएगा। सभी पात्र शिक्षकों को चौथे वेतनमान की सौगात वित्त वर्ष 2025-26 से मिलेगी। इससे सरकार पर करीब 117 करोड़ रुपए का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मान-सम्मान और उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए हमारी सरकार हर जरूरी कदम उठायेगी।

कांग्रेस बिहारियों की तुलना बीड़ी से करती है, यही उसका असली चेहरा

पहले पीएम मोदी का अपमान और अब पूरे बिहार का किया अपमान

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होना हैं। इसे लेकर राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और वरिष्ठ नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। इस बीच केरल कांग्रेस के एक पोस्ट पर बवाल मच गया। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक्स पर केरल कांग्रेस के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा- पहले हमारे पीएम मोदी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान, यही है कांग्रेस का असली चरित्र, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि कांग्रेस बिहारियों की तुलना बीड़ी से करती है। पहले भी तेजस्वी यादव और राहुल गांधी रेवंत रेड्डी जैसे लोगों का साथ देते रहे हैं, जिन्होंने बिहार और बिहारियों को गाली दी थी। कांग्रेस बिहार विरोधी है। राजद बिहार विरोधी है। बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कांग्रेस द्वारा बीड़ी की तुलना बिहार से करने पर कहा कि इससे कांग्रेस की मानसिकता उजागर हुई है कि वह बिहार और बिहारी के बारे में क्या सोचते हैं। आज बिहार की जनता खुद को अपमानित महसूस कर रही है और कांग्रेस से सवाल पूछ रही है कि बिहारी के प्रति यह मानसिकता क्या है। उन्होंने कहा कि बिहार के प्रति कांग्रेस की जो सोच है, यह दिखता है। केरल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि बीड़ी और बिहार शब्द बी से शुरू होते हैं।

दिल्ली पुलिस ने 15 विदेशी नागरिकों को किया डिपोर्ट

13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशी

नई दिल्ली। दिल्ली में घुसपैठियों के खिलाफ पुलिस सर्च अभियान चल रही है। इसी क्रम में पुलिस ने द्वारका में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को डिपोर्ट किया है। द्वारका के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक पुलिस ने अगस्त महीने में 13 नाइजीरियाई और 2 बांग्लादेशियों को निर्वासन के लिए भेजा। ये 15 लोग द्वारका में अवैध रूप से रह रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक द्वारका की ऑपरेशन यूनिट और पुलिस नियमित रूप से उन विदेशी नागरिकों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही है, जो अवैध रूप से इलाके में रह रहे हैं या घूम रहे हैं। द्वारका के मोहन गार्डन थाने की 5, एंटी-नारकोटिक्स सेल की 5, उत्तम नगर थाने की 3 और डाबरी थाने की 2 टीमों ने द्वारका की निगरानी में अवैध रूप से रह रहे 15 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया।

प्रकृति के सामने इंसान बेबस, मेरा भी परिवार हिमाचल में फंसा

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने सोशल मीडिया पर शेयर की भावनाएं

मुंबई। पिछले कुछ दिनों से पंजाब, हरियाणा, यूपी और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। सड़कें बह गईं, पेड़ गिर गए और कई इलाकों में बिजली व नेटवर्क ठप हो गया। इस प्राकृतिक आपदा के बीच अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएं शेयर की हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि कई लोगों ने मुझसे पूछा कि मैं हिमाचल की स्थिति पर क्यों नहीं बोल रही हूं। उन्होंने कहा कि उनके पास कहने को कुछ नहीं है, क्योंकि प्रकृति के सामने इंसान बेबस है। उनके परिवार के घर में भी तीन दिनों से बिजली और नेटवर्क नहीं है। रुबीना ने बताया कि शिमला में उनके फार्महाउस पर उनके माता-पिता, दादी और उनकी जुड़वां बेटियां रहती हैं। हालांकि उनका परिवार सुरक्षित है, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा। उन्होंने कहा कि इस मुश्किल वक्त में

हम सिर्फ प्रार्थना कर सकते हैं। घर बैठे चिंता तो होती है। रुबीना और उनके पति अभिनव शुक्ला पिछले दो हफ्तों से अपनी फ्लाइट रीशेड्यूल कर रहे हैं, लेकिन भूस्खलन और बाढ़ के कारण मौका नहीं मिल रहा है। रुबीना ने बताया कि 15 दिन पहले जब वह हिमाचल गई थीं, तो तीन दिन भूस्खलन की स्थिति में फंस गई थीं। उन्होंने सभी प्रभावित लोगों के लिए प्रार्थना की और कहा कि अगर सोशल मीडिया के जरिए मदद या फंड जुटाने की जरूरत पड़ी, तो वह हर संभव प्रयास करेंगी।

मुंबई पर मंडराया खतराः आतंकी संगठन ने दी 34 मानव बम लगाने की धमकी

पुलिस ने पूरे शहर को रखा हाई अलर्ट पर, बढ़ाई सुरक्षा

एजेंसी | मुंबई,

मुंबई पुलिस को शुक्रवार को शहर में 34 मानव बम लगाए जाने की धमकी मिली। इसके चलते पूरी मुंबई हाई अलर्ट पर है। खबर है कि लश्कर-ए-जिहादी नाम के संगठन ने यह धमकी दी है। इससे पहले 1993 में मुंबई में सिलसिलेवार धमाके हुए थे, जिसमें 250 से ज्यादा लोग मारे गए थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कॉल करने वाले ने दावा किया है कि वाहनों में धमाके के लिए 34 मानव बम लगाए गए हैं, जिनके पास 400 किले आरडीएक्स मौजूद है। धमकी दी गई है कि धमाकों से पूरा शहर हिल

जाएगा। मुंबई पुलिस ने कहा है कि यह धमकी अनंत चतुर्दशी से पहले आई है, जिसके चलते सुरक्षा को और मुस्तैद कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि धमकी में दावा किया गया है कि 34 कारों में सवार मानव बमों का इस्तेमाल 400 किलो आरडीएक्स में विस्फोट के लिए किया जाएगा, जिससे एक करोड़ लोगों की मौत हो सकती है।

बता दें सोमवार को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि गहन जांच के बाद यह धमकी झूठी निकली थी। राजकीय रेलवे पुलिस ने बताया कि आरोपी रूपेश मधुकर रणपिसे ने रविवार शाम करीब चार बजे पुलिस हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर बताया कि उसने कलवा रेलवे स्टेशन पर बम रखा है। जीआरपी ने कहा कि रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इसके बारे में सूचित किया गया और बम निरोधक दस्ते और रेलवे सुरक्षाबल के श्वान दस्ते ने गहन तलाशी ली। आरोपी ने पुलिस को फोन पर बताया कि वह बम के साथ कलवा रेलवे स्टेशन पर है और परिसर को उड़ा देगा।

पठानकोट में पहाड़ दरके

लुधियाना में सेना ने संभाला मोर्चा ; बाढ़ से अब तक 43 की मौत

पंजाब में बाढ़ से 20972 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। 4.24 लाख एकड़ फसल डूब चुकी है। एनडीआरएफ की 31 व सैन्य और अर्धसैनिक बल की 29 टुकड़ियां राहत कार्यों में जुटी हैं। पंजाब में बाढ़ महाविनाश का कारण बन रही है। पानी की वजह से अब तक 43 लोगों की मौत हो चुकी है। 23 जिलों के 1902 से अधिक गांव पानी की चपेट में हैं, जिससे 3.84 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। गांवों में बाढ़ग्रस्त लोगों और प्रशासन के बीच सीधा संपर्क स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रभावित गांवों में एक-एक गजटेड अफसर नियुक्त करने के आदेश दिए हैं। प्रभावित लोग इन अधिकारियों के साथ अपनी समस्याएं साझा कर सकेंगे।

पंजाब की बाढ़ से प्रधानमंत्री चिंतित

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के बाद कहा कि पंजाब में बाढ़ की जो परिस्थितियां हैं, उससे प्रधानमंत्री अत्यंत चिंतित हैं। उन्हीं के निर्देश पर मैं हालात समझने पंजाब गया था। पंजाब में जलप्रलय की स्थिति है। फसलें तबाह और बर्बाद हो गई हैं। संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार पंजाब की जनता और किसानों के साथ खड़ी है। अब बाढ़ग्रस्त इलाकों के पुनर्निर्माण के लिए हमें योजनाबद्ध तरीके से काम करने की जरूरत है। पंजाब को इस संकट से बाहर निकालने के लिए अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी। मैं प्रधानमंत्री को पंजाब के नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट सौंपूंगा। संकट बड़ा है, लेकिन इस संकट से निकलने के लिए केंद्र सरकार कोई भी कसर नहीं छोड़ेगी। साथ ही राज्य सरकार को भी पूरी गंभीरता के साथ जमीनी स्तर पर काम करना होगा। जब पानी उतरेगा तो बीमारी फैलने का खतरा सामने होगा। मरे हुए पशुओं का सुरक्षित तरीके से निस्तारण करना होगा, जिससे बीमारी न फैले।

पठानकोट में दरके पहाड़, रास्ते हुए बंद

पठानकोट में पहाड़ों का दरकना लगातार जारी है। शाहपुरकंडी डैम साइड जुगियाल-धारकलां रोड पर बारिश की वजह से एक केरू पहाड़ का मलबा गिरने से यातायात ठप हो गया है। वहीं, चक्की खड्ड के पास भी एक पहाड़ दरक खड्ड में गिरा है। चक्की खड्ड में कटाव की वजह से पहाड़ गिरने लगे है। दूसरा डैम साइड रोड पर पहाड़ का भारी मलबा गिरने से रोड बंद होने से लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

पानी में उतरे केंद्रीय कृषि मंत्री

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि पंजाब के पांच जिलों में बाढ़ के कारण हुई क्षति को लेकर केंद्र सरकार चिंतित है। इसी लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्षति का जायजा लेने के लिए उन को पंजाब भेजा है। वीरवार को अमृतसर पहुंचे शिवराज सिंह चौहान ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरान किया। उन्होंने रावी दरिया से अजनाला के गांव घोनेवाला में हुई क्षति का जायजा लिया। वे बाढ़ पीड़ित लोगों से भी मिले।

एयर इंडिया विमान का हवा में हुआ इंजन बंद

इंदौर में कराई अपातकालीन लैंडिंग

विमान में 161 यात्री थे सवार, सभी सुरक्षित, तकनीकी टीम कर रही जांच

इंदौर। एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान (एएक्सबी1028) को लेकर इंदौर एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया जब पायलट ने एटीसी को विमान का एक इंजन बंद हो जाने की जानकारी दी। इंदौर में शुक्रवार को एयर इंडिया के विमान की इमर्जेंसी लेडिंग कराई गई। विमान का हवा में ही इंजन बंद हो गया जिसके बाद विमान को आपात स्थिति में उतारा गया। विमान में 161 यात्री सवार थे। सूचना मिलने के बाद एयरपोर्ट पर फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और सीआईएसएफ की टीम ने मोर्चा संभाल लिया। गनीमत रही कि विमान को एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतार लिया गया। मीडिया रिपोर्ट में एयरपोर्ट अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि सुबह दिल्ली से

इंदौर आई एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान के इंजन में तकनीकी खराबी के चलते इंदौर एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को सुबह 09.54 बजे सुरक्षित उतरा गया। यात्रियों को कोई नुकसान नहीं हुआ। विमान रनवे-02 पर खड़ा है और तकनीकी टीम खराबी इसकी जांच कर रही है। बता दें इसी साल जून में एयर इंडिया का एक विमान अहमदाबाद में क्रैश हो गया था जिसमें एकमात्र यात्री जिंदा बचा था।

संपादकीय

चीन में भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक जीत

चीन के तियानजिन में संपन्न हुए शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन यानी एससीओ के घोषणापत्र में जिस तरह साफ शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई की बात शामिल की गई, वह भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत को दर्शाता है। दरअसल, आतंकवाद के मुद्दे पर भारत लगातार कुछ ताकतवर देशों से अपना पक्ष स्पष्ट करने की मांग करता रहा है। मगर कुछ देशों की ओर से प्रत्यक्ष तौर पर आतंकवाद की आलोचना, तो प्रच्छन्न रूप से इसे शह देने वालों के प्रति नरमी इस मुद्दे की जटिलता को बढ़ाता ही है।इसीलिए भारत ने हर मौके पर आतंकवाद के खिलाफ अभियान चलाने और एकजुटता की अपील की। तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा हैज हमें साफ तौर पर और सर्वसम्मति से यह कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला न सिर्फ भारत पर था, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले देशों और लोगों के लिए एक खुली चुनौती थी।जाहिर है, अब एससीओ के घोषणापत्र में जिस तरह सभी सदस्य देशों की ओर से पहलगाम में आतंकी हमले की निंदा की गई, वह भारत की चिंता को रेखांकित करती है। घोषणापत्र में यह भी कहा गया कि ऐसे आतंकी हमलों के दोषियों और उनके मददगारों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। एक जरूरी पहलू के रूप में इसमें आतंकवादियों की घुसपैठ को खत्म करने का आह्वान किया गया। गौरतलब है कि पिछले एससीओ सम्मेलन में इस मुद्दे को घोषणापत्र में शामिल करने पर सहमति नहीं बनी थी।मगर अब एससीओ के सदस्य देशों ने आतंकवाद की समस्या पर भारत के पक्ष में अपनी संवेदनशीलता दिखाई और इसके खिलाफ अभियान चलाने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई। मगर सवाल है कि भारत में आतंकवाद की समस्या के स्रोत के रूप में अगर पाकिस्तान अपनी आदत से बाज नहीं आता है और दूसरी ओर चीन इसकी अनदेखी करता है तो इसे कैसे देखा जाएगा।यह छिपा तथ्य नहीं है कि पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां संचालित करने वाले आतंकवादी संगठनों को पालने-पोसने वाला कौन है। इसके बावजूद चीन कई स्तर पर पाकिस्तान की मदद करता रहा है और इसी वजह से कई बार भारत के लिए बेहद असुविधाजनक स्थिति पैदा हो जाती है। अब खुद चीन की धरती पर ही अगर एससीओ सम्मेलन के घोषणापत्र में पहलगाम हमले और आतंकवाद की निंदा की गई है, तो यह प्रकारांतर से पाकिस्तान और उसका बचाव करने वाले देशों को दिया गया एक साफ संदेश भी है।तियानजिन में हुए एससीओ सम्मेलन को राष्ट्राध्यक्षों के स्तर पर और घरेलू कूटनीतिक बैठकों में सबसे अहम आयोजनों में से एक माना जा रहा है। यों भी, एससीओ की शुरूआत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और आर्थिक सहयोग को मजबूती देने के मकसद से ही हुई थी। इस लिहाज से देखें तो निश्चित रूप से सम्मेलन में शामिल देशों के दस वर्ष के विकास की रणनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, आपसी संबंधों और सांस्कृतिक सहयोग के मुद्दे पर भी बहुस्तरीय सहमति बनी। मगर इसके घोषणापत्र में आतंकवाद के मुद्दे को जिस रूप में शामिल किया गया, उसे पाकिस्तान के लिए एक झटका, तो भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है।

नाटो के विस्तार को रोकने और प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दों पर। देखा जाये तो अलास्का मीटिंग के दौरान ट्रंप की शैली व्यावहारिक और समझौता आधारित अवश्य रही थी लेकिन उसमें वैश्विक शांति के नैतिक तर्क कम और शक्ति-राजनीति के समीकरण अधिक थे। दूसरी ओर, मोदी-पुतिन मुलाकात ने एक अलग छवि प्रस्तुत की। मोदी ने खुले तौर पर संघर्षविराम और मानवीय आधार पर शांति-स्थापना की वकालत की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति को यह भी याद दिलाया कि युद्ध का दीर्घकालिक समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि वार्ता और सहयोग से संभव है। मोदी का दृष्टिकोण महज भू-राजनीतिक हितों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने इसे मानवता की जिम्मेदारी कहा।

मोदी -पुतिन मीटिंग सफल रही या अलास्का में ट्रंप-पुतिन की?

(नीरज कुमार दुबे)

जहां तक मोदी और पुतिन के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता की बात है तो आपको बता दें कि इस दौरान आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' को और मजबूत करने पर बल दिया।

चीन के तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कई महत्वपूर्ण संकेत दिए। यह मुलाकात केवल द्विपक्षीय सहयोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन और यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भी अहम रही। देखा जाये तो यूक्रेन संकट पर हाल की कूटनीतिक हलचलों ने यह प्रश्न उठाया है कि शांति की राह किसके प्रयासों से अधिक प्रशस्त हुई है– अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पुतिन की अलास्का मुलाकात से, या फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की तियानजिन भेंट से?

ट्रंप सफल रहे या मोदी?

हम आपको बता दें कि ट्रंप-पुतिन वार्ता ने पहली बार यह संकेत दिया था कि मॉस्को और वॉशिंगटन लेन-देन आधारित समझ की ओर बढ़ सकते हैं। पुतिन ने इस वार्ता को सकारात्मक बताते हुए उम्मीद जताई थी कि यह यूक्रेन विवाद के दीर्घकालिक समाधान का आधार बन सकती है। किंतु इस बातचीत का दायरा सीमित रहा, मुख्यतः नाटो के विस्तार को रोकने और प्रतिबंधों में ढील जैसे मुद्दों पर। देखा जाये तो अलास्का मीटिंग के दौरान ट्रंप की शैली व्यावहारिक और समझौता आधारित अवश्य रही थी लेकिन उसमें वैश्विक शांति के नैतिक तर्क कम और शक्ति-राजनीति के समीकरण अधिक थे।

दूसरी ओर, मोदी-पुतिन मुलाकात ने एक अलग छवि प्रस्तुत की। मोदी ने खुले तौर पर संघर्षविराम और मानवीय आधार पर शांति-स्थापना की वकालत की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति को यह भी याद दिलाया कि युद्ध का दीर्घकालिक समाधान केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि वार्ता और सहयोग से संभव है। मोदी का दृष्टिकोण महज भू-राजनीतिक हितों तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने इसे मानवता की जिम्मेदारी कहा। यह संदेश अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए कहीं अधिक व्यापक और स्वीकार्य है।

देखा जाये तो जहाँ ट्रंप-पुतिन वार्ता ने रूस को सामरिक आश्वासन देने का रास्ता सुझाया, वहीं मोदी-पुतिन संवाद ने युद्ध से जर्जर जनता की पीड़ा को केंद्र में रखा। यही कारण है कि भारत की मध्यस्थ भूमिका को रूस ने सराहा और चीन ने भी सकारात्मक दृष्टि से देखा। एक तरफ ट्रंप की पहल व्यावहारिक सौदेबाजी का मंच तैयार करती है, तो दूसरी तरफ मोदी की पहल शांति को वैचारिक वैधता और नैतिक बल प्रदान करती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका एक नैतिक मध्यस्थ के रूप में अधिक उभरती दिख रही है, जो भविष्य में शांति-स्थापना की प्रक्रिया को गति दे सकती है।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई वार्ता अपेक्षित परिणाम नहीं ला सकी इसलिए तियानजिन में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन की गर्मजोशी से भरी मुलाकात सुर्खियों में आई, तो ट्रंप की निगाहें स्वाभाविक रूप से उसी पर टिक गई थीं। पुतिन के साथ साझा की गई विश्वासपूर्ण मित्रता और भारत की तटस्थ, परंतु सक्रिय भूमिका ने यूक्रेन संकट में मोदी की छवि को शांति-सेतु के रूप में उभारा है। इसलिए तियानजिन की वह तस्वीरें, जहाँ मोदी और पुतिन हाथ में हाथ

डाले शी जिनपिंग की ओर बढ़ते दिखाई दिए या मोदी और पुतिन एक ही कार में सवार दिखाई दिये, उन्हें संभवतः ट्रंप बार-बार देखते हुए यही सोच रहे होंगे कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में व्यक्तिगत भरोसा और नैतिक दृष्टिकोण, कभी-कभी शक्ति आधारित राजनीति से अधिक असरदार सिद्ध होते हैं।

मोदी-पुतिन वार्ता के निहितार्थ

जहां तक मोदी और पुतिन के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता की बात है तो आपको बता दें कि इस दौरान आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की गई। दोनों नेताओं ने 'स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' को और मजबूत करने पर बल दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत-रूस के रिश्ते कठिन समय में भी कंधे से कंधा मिलाकर चलते आए हैं। पुतिन ने मोदी को प्रिय मित्र कहकर संबोधित किया और अपनी बुलेटप्रूफ आरुष लिमोज़िन में उन्हें विशेष रूप से साथ लेकर गए। यह दृश्य न केवल व्यक्तिगत विश्वास का प्रतीक था बल्कि यह संदेश भी देता है कि रूस भारत को वैश्विक मंच पर एक प्राथमिक साझेदार मानता है। वार्ता का सबसे संवेदनशील बिंदु यूक्रेन संकट रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने संघर्षविराम और शांति-स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की से भी हाल ही में वार्ता के दौरान शांति प्रक्रिया का समर्थन किया था।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका द्वारा भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाए जाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात हुई है। यह मुलाकात केवल व्यापार और ऊर्जा सहयोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें मोदी ने दृढ़ता से यूक्रेन युद्ध समाप्त करने का आह्वान किया। मोदी का यह आह्वान बताता है कि भारत अब केवल तटस्थ दर्शक नहीं है, बल्कि युद्ध की मानवीय त्रासदी को देखते हुए सक्रिय शांति-सूत्रधार बनना चाहता है। अमेरिकी दबाव और वैश्विक आलोचना के बीच भारत का यह रुख न केवल उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रतीक है, बल्कि यह भी दिखाता है कि भारत वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए नैतिक नेतृत्व की भूमिका निभाने को तैयार है।

व्लादिमीर पुतिन का बयान

दूसरी ओर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद यह दोहराया कि यूक्रेन में स्थायी शांति तभी संभव है जब नाटो के पूर्व की ओर विस्तार की समस्या का समाधान हो। यह वक्तव्य केवल रूस की सुरक्षा चिंताओं का बयान नहीं है, बल्कि यूरोपीय शक्ति-संतुलन की ऐतिहासिक खींचतान को भी सामने लाता है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया था जिसके परिणामस्वरूप वह अब तक उसका लगभग पाँचवां हिस्सा अपने नियंत्रण में ले चुका है। पश्चिमी देश इसे साम्राज्यवादी भूमि-हरण बताते हैं, जबकि पुतिन इसे गिरते हुए पश्चिम के विरुद्ध रूस की गरिमा की लड़ाई मानते हैं। उनका दावा है कि बर्लिन की दीवार गिरने के बाद पश्चिम ने रूस को अपमानित किया और नाटो का विस्तार कर उसकी सुरक्षा को चुनौती दी।

देखा जाये तो इस बहस की जड़ें 2008 के बुकारेस्ट सम्मेलन में मिलती हैं, जब नाटो ने यूक्रेन और जॉर्जिया की सदस्यता को भविष्य के लिए मंजूरी दी। 2019 में यूक्रेन ने अपने संविधान में नाटो और यूरोपीय संघ की सदस्यता को स्थायी लक्ष्य घोषित किया। यही वह कदम था जिसने रूस की बेचैनी को निर्णायक मोड़ दिया। पुतिन का तर्क है कि शांति-समाधान की राह तभी खुलेगी जब पश्चिम लिखित आश्वासन दे कि नाटो आगे नहीं बढ़ेगा और रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अलास्का में हुई उनकी बातचीत ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक समझौते के संकेत दिए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि पुतिन ने भारत और चीन की शांति-स्थापना संबंधी कोशिशों की सराहना की है। यह कूटनीतिक संदेश स्पष्ट करता है कि मॉस्को अब एशिया की बड़ी शक्तियों को मध्यस्थता और समर्थन के लिए आवश्यक मानता है। साथ ही, भारत और चीन रूस के कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदार बने हुए हैं, भले ही अमेरिका ने इस पर अतिरिक्त शुल्क लगाया हो। इसलिए प्रश्न यह उठता है कि क्या रूस की शांति-शर्तें वास्तविक समाधान की ओर कदम हैं या केवल रणनीतिक दबाव बनाने का प्रयास। नाटो के विस्तार का मुद्दा पश्चिम के लिए सुरक्षा विस्तार और रूस के लिए सुरक्षा खतरा बना हुआ है। इस खींचतान में यूक्रेन की जनता सबसे बड़ी पीड़ित है।

भारत के लिए आगे की राह

इस बीच, भारत के लिए चुनौती यह है कि वह ऊर्जा हितों को सुरक्षित रखते हुए भी शांति-प्रक्रिया में नैतिक भूमिका निभा सके। एससीओ मंच पर मोदी की मौजूदगी ने यह संभावना खोली है कि भारत, चीन और रूस मिलकर पश्चिम को एक वैकल्पिक संवाद की दिशा में धकेल सकते हैं। परंतु यह तभी सफल होगा जब सभी पक्ष अपने ऐतिहासिक अविश्वास को पीछे छोड़ वास्तविक समाधान की ओर बढ़ें। देखा जाये तो भारत की कूटनीति स्पष्ट रूप से संतुलन साध रही है। एक ओर रूस के साथ दशकों पुराने सामरिक संबंध और ऊर्जा आयात, दूसरी ओर पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक साझेदारी और रणनीतिक संवाद। मोदी का यह रुख दर्शाता है कि भारत मध्यस्थ या शांति-सेतु की भूमिका निभाना चाहता है। पुतिन के दिसंबर में भारत आने की संभावना भारत-रूस संबंधों को और गति देगी। लेकिन असली परीक्षा यह होगी कि क्या भारत रूस और पश्चिम के बीच कूटनीतिक पुल का काम कर पाएगा, या केवल ऊर्जा और व्यापारिक साझेदारी तक सीमित रहेगा?

बहरहाल, एससीओ शिखर सम्मेलन ने एक बार फिर दिखाया कि भारत वैश्विक कूटनीति मेंरणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर अडिग है। मोदी-पुतिन की गर्मजोशी और यूक्रेन पर भारत का संतुलित दृष्टिकोण इस बात का प्रमाण है कि भारत न तो किसी गुट में बंधना चाहता है और न ही वैश्विक शांति-प्रक्रिया से अलग रहना चाहता है। आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारत की यह मध्यस्थ भूमिका वास्तविक समाधान तक पहुँच पाती है या नहीं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

हाथी और ड्रैगन का साथ आना जरूरी- लेकिन भरोसा बड़ी चीज है

(संतोष कुमार पाठक)

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से त्रस्त दुनिया के कई देशों की नजरें इस बार चीन के तियानजिन शहर में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक पर लगी हुई थी। क्योंकि इस बैठक के दौरान दुनिया के 3 ताकतवर देशों- भारत, रूस और चीन के राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात भी होनी थी और साथ ही अलग-अलग द्विपक्षीय बैठक भी तय थी। खासतौर से दुनियाभर की निगाहें इस बात पर टिकी हुई थी कि भारत और चीन के आपसी संबंधों में क्या बदलाव आने वाला है।

चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक भी हुई। बैठक के दौरान अलग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात भी हुई और दोनों नेताओं के साथ पीएम मोदी ने अलग-अलग प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक भी की।

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुत ही अच्छे माहौल में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के साथ आने की बात कहते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है। चीन और भारत दुनिया की दो सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं। हम दोनों दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले देश हैं और ग्लोबल साउथ का हिस्सा हैं। दोस्त बने रहना, अच्छे पड़ोसी होना, ड्रैगन और हाथी का साथ आना बहुत ज़रूरी है।

जिनपिंग की ये तमाम बातें सुनने में भले ही बहुत अच्छी लगती हो लेकिन कड़वी हकीकत तो यही है कि दोनों देशों के बीच जारी तनाव को कम करने के लिए चीन के राष्ट्रपति ने जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम उठाने का ऐलान नहीं किया। जबकि पिछले महीने ही भारत की यात्रा पर आए चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत में दोनों देशों के आपसी रिश्तों को सुधारने के लिए 10 सूत्रीय एजेंडे पर सहमति बनी थी। ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा था कि इस 10 सूत्रीय एजेंडे के तहत चीन के राष्ट्रपति पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान सीमा पर शांति एवं स्थिरता बनाए रखने, चीनी सेना को बॉर्डर से पीछे हटाने और विश्वास बहाली के तहत कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।

भारत के अभिन्न अंग लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर 2020 से पहले की स्थिति अभी तक बहाल नहीं हो पाई है। सीमा पर पूरी तैयारी और साजो-सामान के साथ चीन ने 50 हजार से ज्यादा की फौज को तैनात कर रखा है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों का मंदारिन में नामकरण करके भी अपने नापाक इरादों को जाहिर कर दिया है। इतना ही नहीं, आतंकवाद की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान की पीठ पर भी चीन का हाथ बना हुआ है। भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भी चीन पूरी तरह से पाकिस्तान के साथ ही खड़ा नजर आया।

तियानजिन शहर में जिनपिंग ने भारत के साथ संबंधों को लेकर शब्दों से एक माहौल बनाने की कोशिश तो की लेकिन यह सभी जानते हैं कि जब तक वह भारत की चिंताओं पर ठोस काम नहीं करेंगे तब तक शायद ही कोई भारतीय उन पर भरोसा कर पाएगा।

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बहुत ही अच्छे माहौल में द्विपक्षीय बैठक हुई। बैठक के दौरान दोनों देशों के साथ आने की बात कहते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, दुनिया बदलाव की ओर बढ़ रही है।

अमेरिका के टैरिफ आतंकवाद से त्रस्त भारत को चीन के साथ जाने से पहले पाकिस्तान के आतंकवाद और उसे चीन द्वारा दिए जा रहे समर्थन के बारे में भी ध्यान रखना होगा। इस मौके का फायदा उठाकर चीन, न केवल भारत में निवेश और व्यापार करने की खुली छूट चाहेगा बल्कि टिकटॉक सहित 50 से ज्यादा चीनी एप्स पर भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को भी हटवाने की कोशिश करेगा।

भारत के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, इससे इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन चीन का रास्ता भी पूरी तरह से साफ नहीं है। चीन ने वर्ष 2013 में अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को धमाकेदार अंदाज में शुरू किया था लेकिन यह कई तरह के संकटों में घिर गया है। तिब्बत पर चीन के अवैध कब्जे का मामला हो या तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के उत्तराधिकारी को चुनने का मामला हो या फिर ताइवान को लगातार धमकाने का मामला हो, वास्तविकता तो यही है कि इन सभी मुद्दों का स्थायी और अंतिम समाधान भारत के बिना चीन हासिल नहीं कर सकता है।

ऐसे में मोदी सरकार को हर मौके और हर मंच पर चीन को यह बताना होगा कि हाथी और ड्रैगन तभी डांस कर सकते हैं जब ड्रैगन के हाथ में किसी भी तरह का कोई खंजर नहीं होगा। क्योंकि भरोसा बड़ी चीज है, जिसे चीन ने हर बार तोड़ने का काम किया है और पाकिस्तान के रवैए से तो पूरी दुनिया ही वाकिफ है।लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शिक्षक दिवस 5 सितंबर ..

'सपनों को संवारने वाला शिल्पकार है, शिक्षक'

प्रतिवर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर विचारों की छलछलाती सोच कुछ नया लिखने की प्रेरणा प्रदान करती महसूस की जाती है । मैं अपने शिक्षकीय अनुभव पर कुछ लिखूं या फिर मेरे अपने गुरुओं की महिमा का गान करूं , समझ पाने में असमर्थ हूं । कभी यह विचार भी मन में उठने लगते हैं कि ऐसे कौन से कारण हैं जिनके चलते आज के कुछ शिक्षक इस महान पेशे को कलंकित कर जाते हैं ? क्या आज की सम्मानजनक वेतन प्रणाली ने ऐसे शिक्षकों के जीवन में अमर्यादित आचरण का बीजारोपण किया है ? आर्थिक संपन्नता के चलते ही कहीं शिक्षकीय पेशा अपने कर्तव्य से विमुख तो नहीं हो रहा है ? ऐसे सवाल अंतर्मन में इसलिए हिलोरे मार रहे हैं कि आज से लगभग आधी शताब्दी पूर्व इस महत्वपूर्ण पेशे में संलग्न लोगों को मिलने वाला वेतन पारिवारिक जरूरतों के लिए अपर्याप्त था , किंतु शिक्षकों का आचरण वास्तव में गुरुओं की श्रेणी का हुआ करता था । वर्तमान समय में कुछ लोगों के कारण इस पेशे में आई सामाजिक गिरावट ने यह सोचने पर विवश कर दिया है कि क्या आज भी शालाओं को गुरुकुल का पर्याय माना जा सकता है ? मेरी आत्मा से निकला उत्तर नकारात्मक जान पड़ता है ! शिक्षक दिवस के दिन इन बदली हुई परिस्थितियों में बहुत कुछ ऐसा लिखा जा सकता है जो भारतीय संस्कृति को नागवार गुजरता हो ।

एक शिक्षक के रूप में इस सेवा को स्वीकार करने वाले व्यक्ति को एक नहीं अनेक पैमानों पर खरा उतरना पड़ता है । अपनी छवि गुरु के रूप में स्थापित करने का सपना उसी दशा में पूरा हो सकता है , जब एक शिक्षक सबसे पहले अपने रहने और कपड़े पहनने के तरीकों का भलीभांति ध्यान रखें । यह भी ध्यान रखने वाली बात है कि जब भी एक शिक्षक अपनी कक्षा में प्रवेश करे , वह खुद को पूरे अनुशासन की परिधि में तौल ले । कारण यह कि हर विद्यार्थी अपने शिक्षक को अपना आदर्श मानता है । एक शिक्षक द्वारा पढ़ाई गई विषय सामग्री बच्चों के मस्तिष्क पर व्यापक प्रभाव छोड़ती है । आगे चलकर यही शिक्षा एक अच्छे समाज के निर्माण में महती भूमिका निभाती है । इसी कारण कहा जाता है ÷ शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता है ।÷ जब हम शिक्षक के रूप में एक अच्छे व्यक्तित्व की बात करते हैं तो हमारे मस्तिष्क में अपने जीवनकाल के सबसे अच्छे शिक्षक की तस्वीर घूमने लगती है । यह तस्वीर इसलिए हमारे सामने आती है , क्योंकि हमने उस शिक्षक से वह सब कुछ सीखा है जिसके चलते आज सम्मानजनक स्थान पर खड़े हैं । वही एक अच्छा शिक्षक माना जा सकता है, जो खुद को कुछ बोलने से पहले तौलता हो ,कि उसकी वाणी का प्रभाव सकारात्मक होगा या नकारात्मक ? एक शिक्षक का बेहतरीन व्यक्तित्व उसके बोलने के तरीके पर निर्भर करता है । एक शिक्षक का बेहतरीन वक्ता होना ही वह गुण है जिसके चलते उसके विद्यार्थी उसे पसंद करने लगते हैं । प्रत्येक शिक्षक को यह स्मरण रखना चाहिए कि वह अपने विद्यार्थियों से ÷ बिना सिर पैर ÷ की बात न करे । ऐसे शिक्षक विद्यार्थियों के प्रेरणा स्त्रोत नहीं हो सकते ।

वर्तमान समय तेजी के साथ परिवर्तन के मार्ग पर अग्रसर है । आज के बच्चों का जीवन जीने का तरीका पहले की तुलना में पूरी तरह बदल चुका है । खास कर आज की किशोरवय और युवा पीढ़ी की सोच का अध्ययन कर उन्हें शिक्षित करना बड़ी चुनौती है । वर्तमान पीढ़ी जिसमें युवक - युवती दोनों ही शामिल हैं , उन्हें किसी काम में किसी अन्य का हस्तक्षेप बर्दास्त नहीं ! फिर वह उनके माता - पिता सहित शिक्षक ही क्यों न हों ! ऐसी परिस्थिति में शिक्षकों का कर्तव्य और अधिक बढ़ जाता है कि उनके विचारों में घुल - मिल चुकी विषमता को कैसे बाहर निकालें ? यदि एक शिक्षक ही व्यसन के कुचक्र में पड़कर अपनी कक्षाओं में प्रवेश करेगा तो क्या वह अग्नि में घी डालने जैसा नहीं होगा ? तब हमें विचार करना होगा कि हम डॉ . सर्वपल्ली राधाकृष्णन के उच्च विचारों को अपने हृदय में कैसे स्थान प्रदान करें ? एक अध्यापक शिक्षण प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है । यह कल्पना भी नहीं की जा सकती है कि एक अध्यापक के बिना शिक्षा की प्रक्रिया पूरी की जा सकती है । प्रत्येक शिक्षक इस बात को जानता है कि उसका काम न केवल छात्रों को शिक्षा प्रदान करना है , बल्कि उन्हें आने वाले कल के लिए तैयार भी करना है । तब वर्तमान का शिक्षक खुद को एक ऐसा उपकरण क्यों नहीं मान रहा है , जो उच्च स्तरीय वस्तुओं का उत्पादन कर अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को आकर्षित करने में सक्षम रहता है । आज एक शिक्षक की चुनौती पहले की तुलना में कहीं ज्यादा है । कारण यह कि अब जमाना ÷ गूगल ÷ का है ! हर छात्र गूगल और किताबों के माध्यम से अपने ज्ञान को अपडेट करता रहता है । तब एक शिक्षक को हर परिस्थिति में अपने विद्यार्थियों के सवालों का सटीक जवाब देने खुद को अपडेट रखना होगा ।

÷ शिक्षक ही शिक्षा व्यवस्था का हृदय है । ÷ उसके मार्गदर्शन और प्रोत्साहन से ही जीवन प्रकाशवान हो सकता है । हमें यह स्वीकार करना होगा कि अब शिक्षक का कार्य बोर्ड पर दो चॉक लेकर खड़ा होना ही नहीं रह गया है बल्कि अपने विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से वह सब कुछ प्रदान करना है जिसकी उम्मीद एक शिक्षक के माध्यम से वर्तमान पीढ़ी चाहती है । समाज निर्माण की भूमिका में आज तैनात समस्त शिक्षकों को यह समझ लेना चाहिए कि ÷ एक किताब , एक कलम , एक बच्चा और एक शिक्षक ÷ पूरी दुनिया बदलने की क्षमता रखते हैं । वास्तव में कहा जाए तो आज जरूरत इस बात की है कि एक अध्यापक खुद को केवल शिक्षक नहीं बल्कि यह मानकर काम करे कि वह जागरूकता पैदा करने की बड़ी मशीन है । शिक्षकों का प्रभाव केवल कक्षा की चहार दीवारी तक ही नहीं उससे भी आगे भविष्य निर्माण तक विस्तृत है । हमारे देश के महान वैज्ञानिक और राष्ट्रपति ए पी जे अब्दुल कलाम कहा करते थे - ÷ शिक्षण एक बहुत ही महान पेशा है , जो व्यक्ति के चरित्र , क्षमता और भविष्य को आकर देता है । यदि लोग मुझे एक अच्छे शिक्षक के रूप में याद रखें तो यह मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान होगा ।÷

एक सच्चा शिक्षक अपनी महानता से आपको प्रभावित नहीं करना चाहता बल्कि वह आपको यह एहसास कराना चाहता है कि आपके पास स्वयं को खोजने का कौशल है । हमारे राष्ट्र निर्माता को यह याद रखना होगा कि एक प्रतिभाशाली शिक्षक न केवल आज के बच्चे की जरूरतों को पूरा करने वाला माध्यम है बल्कि हर बच्चे के भविष्य में आशाओं और सपनों को संवारने वाला बड़ा शिल्पकार भी है । साथ ही यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एक अच्छा शिक्षक ही अपने विद्यार्थियों में आशा का बीज बो सकता है । उनके अंदर अंकुरित हो रही कल्पना को प्रज्ज्वलित कर सकता है । एक शिक्षक ही विद्यार्थियों में सीखने के प्रति जीवटता और जुनून पैदा कर सकता है । इसी कारण शिक्षा को ÷ संजीवनी और शिक्षक को हनुमान ÷ कहा जाता है ।

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (
छत्तीसगढ़) 9425559291.

सार समाचार

एक साल बाद भी संपदा 2.0 की खामियां बरकरार

भोपाल। जमीन और आवास की घर बैठे, फेसलेस और सुरक्षित रजिस्ट्री की सुविधा के साथ प्रारंभ किए गए संपदा 2.0 सॉफ्टवेयर के लगभग एक वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इसके बाद भी इसमें कभी सर्वर डाउन, तो कभी ओटीपी नहीं आने की समस्या हो रही है। नामांतरण कराने में सबसे अधिक दिक्कत आ रही है। कारण, एक खसरा के अलग-अलग भाग के सभी भूमि मालिकों को ओटीपी भेजकर सहमति ली जाती है। भले ही क्रेता ने किसी एक भाग को खरीदा है। ऐसे में सभी भूमि मालिकों को खोजना चुनौती है। किसी एक का भी ओटीपी नहीं मिलता, तो जमीन का नामांतरण नहीं हो पाता। बता दें कि 10 अक्टूबर 2024 को भोपाल से मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने इस पोर्टल का शुभारंभ किया था। इसमें रजिस्ट्री के लिए गवाह लेकर जाने की भी आवश्यकता नहीं पड़ती। प्रदेश के 15 जिलों के संपत्ति खरीददारों, पटवारियों और स्टांप वेंडरों से बात की तो अलग-अलग तरह की परेशानियां सामने आईं।

खाद की कमी नहीं, वितरण की गड़बडियों से किसान परेशान

भोपाल। प्रदेश के कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना ने शुक्रवार को एक निजी कार्यक्रम के दौरान खाद वितरण में हुई चूक को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि किसान खाद की कमी से नहीं, बल्कि वितरण में हुई गलतियों के कारण परेशान हो रहा है। इस दौरान मंत्री कंसाना ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं है, गलती हमसे और हमारे अधिकारियों से हुई है। जहां दो दुकानों की जरूरत थी, वहां एक से ही काम चलाया जा रहा था। इससे रीवा और मेहगांव जैसी घटनाएं हुईं, जो अब नहीं होंगी। मंत्री एदल सिंह कंसाना ने बताया कि खाद वितरण की गड़बडियों को लेकर हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बैठक भी हुई है। सीएम ने निर्देश दिए हैं कि जहां एक दुकान है, वहां दो कर दी जाएं और जहां दो की जरूरत है, वहां चार खोली जाएं।

रीवा में किसानों पर लाठीचार्ज पर दी सफाई

रीवा में खाद को लेकर किसानों पर हुए लाठीचार्ज पर प्रतिक्रिया देते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाएं खाद की कमी की वजह से नहीं, वितरण की अव्यवस्था के कारण हुईं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनने दी जाएगी। वहीं भिंड जिले में खाद को लेकर कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव और विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह के बीच हुए टकराव पर पहले तो मंत्री ने अनभिज्ञता जताई, लेकिन फिर कहा कि, मनभेद हो गए होंगे, अब सब ठीक है। कृषि मंत्री ने खाद संकट को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है।

अतिरिक्त वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए दो नामों का बनेगा पैनल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सर्वदलीय बैठक बुलाए जाने के बाद नई दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में राज्य शासन के अधिवक्ताओं और ओबीसी महासभा के अधिवक्ताओं की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में तय किया गया कि मप्र शासन द्वारा नियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिवक्ताओं को भी मामले में शामिल किया जाएगा। इस उद्देश्य से ओबीसी महासभा के अधिवक्ताओं ने दो दिनों के भीतर अतिरिक्त वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लिए दो नामों का पैनल देने की सहमति दी है। बैठक में आगामी सुनवाई के दौरान ओबीसी वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए साझा पैरवी पर सकारात्मक चर्चा हुई। इसमें मप्र शासन के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, पूर्व महाधिवक्ता अनूप जॉर्ज चौधरी, वरिष्ठ अधिवक्ता जून चौधरी, रामेश्वर ठाकुर, वरुण ठाकुर, विनायक शाह, शशांक रतनू, रामकरण, हनुमत लोधी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

एनसीआईएसएम की सख्त चेतावनी

भोपाल। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने मेडिकल कॉलेजों में मान्यता प्रक्रिया में उजागर हुए भ्रष्टाचार के बाद सख्त रुख अपनाया है। एनसीआईएसएम के सचिव सच्चिदानंद प्रसाद ने देशभर के आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा और सोवा-रिग्पा मेडिकल कॉलेजों के लिए एक सर्कुलर जारी किया। इस सर्कलर में मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तरप्रदेश, हरियाणा और नई दिल्ली सहित सभी राज्यों के कॉलेजों को स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि आयुष मंत्रालय और एनसीआईएसएम् कॉलेजों की मान्यता प्रक्रिया या अन्य मामलों में भ्रष्टाचार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। एनसीआईएसएम द्वारा मेडिकल कॉलेजों के निरीक्षण पर सख्ती दिखाई गई है।

भोपाल में पुख्ता सुरक्षा इंतेजामों के बीच होगा गणेश विसर्जन

भोपाल। भोपाल में गणेश विसर्जन के दौरान पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे, जिसमें प्रमुख घाटों पर सीसीटीवी कैमरे, गोताखोर, फायर ब्रिगेड और क्रेन तैनात रहेंगे। बड़ी मूर्तियों को क्रेन से विसर्जित किया जाएगा और श्रद्धालुओं को विसर्जन घाटों पर जाने की अनुमति नहीं होगी। छोटी मूर्तियों के लिए अस्थाई कुंड बनाए गए हैं। नगर निगम और पुलिस प्रशासन मिलकर ट्रैफिक नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन का काम संभालेंगे। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्र ने बताया कि प्रमुख विसर्जन घाटों पर सुरक्षा निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। नदी या तालाब में किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए गोताखोर और फायर ब्रिगेड की टीमें तैनात रहेंगी।

मंत्री-विधायक पुत्रों को नहीं मिलेगा पद

भाजपा सगंठन में एक परिवार एक पद फॉमूर्ला

भोपाल। भाजपा ने संगठन में परिवारवाद पर रोक लगाने के लिए एक परिवार-एक पद का नया फामूर्ला लागू किया है। पार्टी के इस फैसले के चलते पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के बेटे राहुल गौतम को मऊगंज जिला उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देना पड़ा। अन्य नेताओं के बेटों-बेटियों की उम्मीदों पर भी पानी फिर सकता है। मऊगंज जिला कार्यकारिणी में राहुल गौतम भाजपा जिला उपाध्यक्ष बनाए गए थे। प्रदेश नेतृत्व को जैसे ही पता चला कि राहुल गिरीश गौतम (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष) के पुत्र हैं, तो उन्हें पद छोडने को कहा गया। राहुल ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को अपना इस्तीफा भेजा है। दरअसल, भाजपा ने हाल ही में अपने कार्यकारिणी गठन में एक महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है, जिसके तहत अब एक परिवार-एक पद का फॉमूर्ला लागू किया जाएगा। इसका मतलब यह

है कि पार्टी के किसी भी सक्रिय नेता के परिवार के सदस्य को संगठन में कोई भी पद नहीं मिलेगा। भाजपा का यह कदम पार्टी में परिवारवाद के आरोपों पर उठाया गया है। इस नए फामूर्ले के लागू होने से प्रदेश के कई ऐसे सांसदों, विधायकों और बड़े नेताओं के अरमानों पर पानी फिर जाएगा, जो अपने पुत्र या परिवार के किसी सदस्य को संगठन में एडजस्ट करने का सपना देख रहे थे। प्रदेश भाजपा ने इस सभी जिलाध्यक्षों और प्रभारियों को निर्देशित किया है कि कार्यकारिणी में शामिल करने से पहले नेताओं की जांच करें। सांसद-विधायक के परिजन नहीं होने चाहिए। इस फामूर्ले का उद्देश्य जमीनी कार्यकताओं को योग्यता के आधार पर पद देना है। समानता को बढ़ावा देने का उद्देश्य भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएलसंतोष ने हाल ही में भोपाल दौरे के दौरान इस फॉमूर्ले को लागू करने का ऐलान किया। इसका उद्देश्य पार्टी में किसी भी प्रकार के परिवारवाद को टोकना और कार्यकताओं के बीच समानता को बढ़ावा देना है। इस फैसले का असर पार्टी के सांसदों, विधायकों और अन्य नेताओं पर पड़ेगा, जिनके बेटे-बेटियां या अन्य पारिवारिक सदस्य सक्रिय राजनीति में शामिल हैं। यह कदम पार्टी के अंदर अनुशासन और कार्यकताओं की कार्यक्षमता को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि किसी भी एक परिवार के सदस्य को ज्यादा ताकत नहीं मिल पाएगी, और यह अन्य कार्यकताओं के लिए अवसर खोलेगा। हालांकि, इस नीति से कुछ नेताओं के परिवारों को निटाशा भी हो सकती है, लेकिन यह पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति के लिए आवश्यक कदम साबित हो सकता है। नवनियुक्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के अनुसार यह कदम पार्टी के भीतर नवाचार और कार्यकताओं के समर्पण को प्रेरित करेगा। यह उन नेताओं के लिए एक संकेत होगा जो अपने परिवार को पार्टी से ऊपर मानते हैं। इस नए प्रयोग से पार्टी में लोकतंत्र व समानता के अवसर मिलेंगे।

व्यू एंड सोनिक पर जीएसटी की कार्रवाई

बिल्डर और 16 अन्य कागजी फर्मों ने की 20 करोड़ की चोरी, 3.45 करोड़ जमा कराए

भोपाल। जीएसटी की टीम ने भोपाल में व्यू एंड सोनिक कंपनी के खिलाफ टैक्स चोरी मामले में जांच शुरू की है। वहीं भोपाल, सीहोर, छतरपुर, ग्वालियर, इंदौर व सिंगरौली में चार दिन से चल रही जीएसटी और ईओडब्ल्यू की जॉइंट जांच अंतिम दौर में है, जिसमें 20 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी उजागर हो चुकी है और जांच टीम द्वारा टैक्स चोरी करने वाले कारोबारियों से 3.45 करोड़ रुपए जमा भी कराए जा चुके हैं। भोपाल एंटी इवेजन ब्यूरो की टीम ने अरेरा कॉलोनी में व्यू एंड सोनिक कंपनी के प्रोप्राइटर अतुल बिल्लोरे के यहां गुरुवार शाम से जांच शुरू की है। अतुल बिल्लोरे ने पत्नी, बेटे और भतीजे के नाम से एआईबी इंटरप्राइज, अबान इंटरप्राइजेस सहित अन्य फर्में बना रखी हैं। जांच टीम को आशंका है कि इन फर्मों के माध्यम से बोगस आईटीसी लेकर जीएसटी में करोड़ों रुपए की कर चोरी की जा रही थी। इसी के चलते टीम जांच के लिए पहुंची है। बताया गया कि बिल्लोरे ने अब तक टैक्स चोरी स्वीकार नहीं की है। ऐसे में जांच टीम उनसे डाक्यूमेंट्स लेकर मिलान कर रही है और इसके आधार पर ही टैक्स चोरी का एनालिसिस सामने आ सकेगा। बिल्लोरे द्वारा एक अस्पताल का निर्माण भी कराया जा रहा है। इसके अलावा बाग मुगालिया में सेंको इंफ्रास्ट्रक्चर में चार दिन से चल रही जांच आज से खत्म हो गई है। दूसरी ओर एक अन्य जांच चंद्रगुप्त बिल्डकॉन के विरुद्ध भी की गई है। इसके दो दिन पहले भोपाल में कोटरा सुल्तानाबाद में आरके पांडेय के यहां भी जांच टीम पहुंची थी।

चार दिन से चल रही जांच खत्म

इधर सिंगरौली में नौ से अधिक फर्मों में चार दिन से चल रही जांच खत्म हो गई है और यहां से इलेक्ट्रानिक डिवाइस जब्त कर अब डेटा एनालिसिस किया जा रहा है ताकि टैक्स चोरी की चेन में शामिल कारोबारियों का खुलासा किया जा सके और टैक्स चोरी की बाकी रकम की स्थिति भी साफ हो सके। बताया गया कि भोपाल, सीहोर, सिंगरौली, इंदौर, छतरपुर, ग्वालियर की 16 फर्मों में की गई जांच में 20 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी पकड़ी गई है और इसका आंकड़ा एनालिसिस के बाद बढ़ सकता है। जांच टीम ने इसकी रिकवरी भी शुरू कर दी है, क्योंकि कारोबारियों ने टैक्स चोरी करना स्वीकार कर लिया है। अब तक 3.45 करोड़ की रिकवरी हो चुकी है और टैक्स चोरी की यह राशि जमा हो चुकी है। वहीं बाकी राशि 15 दिनों में जमा कराई जाएगी।

कैश ट्रंच के कारण देरी

जांच टीम के अफसरों के अनुसार टैक्स चोरी स्वीकार करने के बाद कैश ट्रंच (नकद राशि की अनुपलब्धता) के चलते तत्काल यह राशि जमा नहीं हो सकी है। अब अगले 15 दिन में यह राशि जमा हो जाएगी। सिंगरौली में एक टैक्स सलाहकार जांच टीम के निशाने पर रहे जिनके द्वारा बोगस आईटीसी भरे जा रहे थे और सरकार को नुकसान पहुंचाया जा रहा था। टैक्स चोरी का यह काम कागजों पर कम्पनियां बनाकर कारोबार किए बगैर लेन देन करके किया जा रहा था।

सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर मिशन 2028 में जुटेगी कांग्रेस

भोपाल। वर्ष 2023 में विधानसभा और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में करारी हार के बाद फिर से खड़ा होने की कोशिश कर रही कांग्रेस राज्य की भाजपा सरकार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह क्षेत्र उज्जैन से ललकारेगी। सरकार को घेरने कांग्रेस 12 सितंबर को उज्जैन में बड़ा प्रदर्शन करेगी। बड़ी रैली के बाद सभा भी होगी। इसमें सिंहस्थ क्षेत्र के भूमि अधिग्रहण, कानून-व्यवस्था, वोट चोरी, अवैध शराब के कारोबार सहित तमाम मुद्दों को उठाया जाएगा। पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल, सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। बता दें, सिंहस्थ-2028 के लिए किसानों की जमीन लैंड पुलिंग के जरिये लिए जाने का किसान संगठन विरोध कर रहे हैं। संगठन के प्रतिनिधि भाजपा के बड़े नेताओं से भी मिल चुके हैं। मिशन मोड में कांग्रेस प्रदेश में वर्ष 2027 से नगरीय निकायों के साथ चुनाव की शुरूआत होनी है। इसके बाद वर्ष 2028 में विधानसभा और वर्ष 2029 में लोकसभा चुनाव होंगे। कांग्रेस इसके लिए खुद को तैयार कर रही है। दरअसल, विधानसभा और लोकसभा चुनाव से पहले वरिष्ठ नेताओं से नाराजगी के चलते कांग्रेस से बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता भाजपा में चले गए थे। इसका असर यह हुआ कि कई मतदान केंद्रों पर बैठाने के लिए कार्यकर्ता तक नहीं मिले। यह स्थिति आगे न बने और कार्यकर्ता हतोत्साहित न रहें, इसके लिए पीढ़ी परिवर्तन पर काम प्रारंभ किया गया। वोट चोर-गद्दी छोड़ अभियान के जरिये पूरे प्रदेश में माहौल बनाया जा रहा है। इसी क्रम में उज्जैन में बड़े विरोध प्रदर्शन की तैयारी है। प्रदर्शन को प्रभावी बनाने का जिम्मा उज्जैन से लगे जिलों की टीम को दिया है। इसकी सफलता के आधार पर नए अध्यक्षों की क्षमता का आकलन भी होगा।

संगीतकार मदन मोहन को कार्यक्रम दिल ढूंडता है फिर वही से दी जाएगी श्रद्धांजली

भोपाल। राजधानी भोपाल के संगीत प्रेमियों के लिए 21 सितंबर यादगार शाम लेकर आ रहा है। रविंद्र भवन के एडोटोरियम हाल में हिन्दी फिल्मों के एक सुप्रसिद्ध महान संगीतकार मदन मोहन के गजलों और नज्मों की रूहानी तर्जों के सृजन के लिए उन्हें सम्मान देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उनके पुत्र संजीव कोहली न सिर्फ उपस्थित रहेंगे बल्कि अपने पिता के संगीत के सुनहरे सफर को अपने अनोखे अंदाज में प्रस्तुत करेंगे। फिल्मी दुनिया में वर्ष 1950, 60 और 70 के दशक में मौजूद महान गायकों और संगीतकारों के बीच अपनी अलग पहचान बनाकर संगीत की दुनिया में तहलका मचाने वाले स्वर्गीय मदन मोहन को कार्यक्रम दिल ढूंडता हैं फिर वही के माध्यम से विन्रम श्रद्धांजली दी जाएगी। दुनिया से जाने के बाद भी संगीत प्रेमियों के दिलों में हमेशा जिंदा रहने वाले गायक और संगीतकार मदन मोहन ने अपने समय के मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, मुकेश जैसे महान गायकों के साथ ने केवल गाने गाए बल्कि उनके गानों में अपने संगीत से चार चांद भी लगाए। कार्यक्रम के आयोजक कुक्स स्पीक्स के मनोज कुकरेजा और सपदक के संजीव सचदेवा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम संजीव कोहली और राजश्री गोखले रविवार को शाम छह बजे से उपस्थित दर्शकों अपने अनोखे अंदाज में मदन मोहन के जीवन और उनके फिल्मी सफर नामे को पेश करेंगे। यह एक संगीत कार्यक्रम से हटकर कार्यक्रम है। जो कि दर्शकों को न केवल पंसद आएगा बल्कि उनके जीवन की यादगार शाम बन जाएगा। बैठने की जगह समित होने के चलते और कार्यक्रम की गरिमा को देखते हुए भीड़ न हो इसलिए एक शुल्क रखा गया है जो कि दर्शकों को देना होगा।

देश का पहला ई-व्हीकल ऑटो टेस्टिंग ट्रैक पीथमपुर में

भोपाल। पीथमपुर में देश के पहले ऑटो टेस्टिंग ट्रैक पर अब ई-व्हीकल की भी टेस्टिंग हो सकेगी। अगले दो साल में यहां स्वचालित वाहनों की टेस्टिंग शुरू हो जाएगी। इसकी तैयारियां जारी हैं। ऑटो टेस्टिंग ट्रैक पर उन गाडि?ों की स्पीड से लेकर परफॉर्मेंस और उसके ऑपरेशन की गुणवत्ता की टेस्टिंग सबसे पहले होती है, जो ऑटोमोबाइल कंपनियों द्वारा बाजार में लॉन्च की जानी हैं। भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा स्थापित नेशनल ऑटोमोटिव टेस्ट ट्रैक के सर्टिफिकेशन के बाद ही संबंधित व्हीकल की परफॉर्मेंस से लेकर सिक्योरिटी फीचर और क्वालिटी का सर्टिफिकेशन होता है। साल 2021 में पीथमपुर में 3000 एकड़ में विकसित देश में यह इकलौता टेस्टिंग ट्रैक है, जहां दुनियाभर की सुपर कार और देश-विदेश की गाडि?ों के नए मॉडल और स्पीड के साथ उनकी क्रैश बैरियर क्षमता की टेस्टिंग होती है। लेकिन जिस तेजी से ऑटोमोबाइल सेक्टर में ई-व्हीकल और ऑटोमेटेड व्हीकल की क्रांति हो रही है तो मैट्रिक्स को भी ई-व्हीकल टेस्टिंग के अलावा स्वचालित वाहनों की टेस्टिंग के हिसाब से विकसित किया जा रहा है। ब्रेकिंग सिस्टम और कंट्रोलिंग टेक्निक पर काम नेट्रेक्स के निदेशक मनीष जायसवाल बताते हैं कि जिस तेजी से इलेक्ट्रिकल व्हीकल का उपयोग बढ़ा है, उसके चलते अब ट्रैक पर दो पहिया-तीन पहिया, बैटरी से चलने वाले वाहनों की टेस्टिंग हो रही है। इंदौर और देशभर के ऐसे 100 से ज्यादा स्टार्टअप हैं, जिन्होंने अपनी विकसित की गई गाडियों की टेस्टिंग के लिए नेट्रेक्स से संपर्क किया है। इतना ही नहीं अब नेट्रेक्स ऑटो टेस्टिंग ट्रैक पर एडास टेस्टिंग की भी शुरूआत की जाएगी, जिसमें ऑटोमेटिक चलने वाली कारों के अलावा उनके ब्रेकिंग सिस्टम और रडार आधारित कंट्रोलिंग टेक्निक का भी परीक्षण होगा। मनीष जायसवाल ने बताया कि नेट्रेक्स पर बीते 2 साल में अलग-अलग गाडि?ों की टेस्टिंग की दर 3 गुना ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में ई-व्हीकल और ऑटोमेटेड व्हीकल की टेस्टिंग शुरू होते ही देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी इलेक्ट्रिकल व्हीकल के नए युग की शुरूआत होने की संभावना है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार अपने रुख से पलटने की तैयारी में

कमलनाथ ने ओबीसी आरक्षण मामले में भाजपा की मंशा पर उठाए सवाल, कहा...

ओबीसी समाज के साथ पिछले छह साल से आप लगातार धोखा कर रहे हैं, उसे अब ओबीसी वर्ग ने अच्छी तरह समझ लिया है।

भोपाल। मप्र में अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण बहाल करने की दिशा में भारतीय जनता पार्टी सरकार की मंशा पर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। पूर्व सीएम कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा- अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में मैंने 2019 में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया था। उसके बाद इस आरक्षण को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया था। उन्होंने एक्स पर लिखा- पिछले छह साल से भाजपा ओबीसी आरक्षण को लेकर दोमुंही नीति अपना रही है। सार्वजनिक बयानों में भाजपा और उसके नेता 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का समर्थन करते हैं लेकिन अदालत में और नीति बनाने के मामले में भाजपा सरकार 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का विरोध करती है। अब जब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की अंतिम सुनवाई शुरू होने वाली है, तब उससे पहले मध्य प्रदेश सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर की थी। सरकार अपने रुख से पलटने की तैयारी कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर सरकार को अपना समर्थन दिया था। लेकिन अब फिर खबर आ रही है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सरकार अपने रुख से पलटने की तैयारी कर रही है। मैं भाजपा को आगाह करना चाहता हूं कि वह समाज की बदलती जरूरतों को पहचाने। ओबीसी समाज के साथ पिछले छह साल से आप लगातार धोखा कर रहे हैं, उसे अब ओबीसी वर्ग ने अच्छी तरह समझ लिया है। आरक्षण हर हाल में लागू कराना हमारा संकल्प यदि सरकार ओबीसी के 13 प्रतिशत होल्ड पदों पर नियुक्तियां और नई भर्तियों में 27 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित नहीं करा पाती है तो साफ जाहिर हो जाएगा कि भाजपा ने अपना ओबीसी विरोधी षड्यंत्र एक बार फिर चला है। ऐसी स्थिति में हमें बड़े पैमाने पर इसका विरोध करना पड़ेगा क्योंकि ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण हर हाल में लागू कराना हमारा संकल्प है।

राजस्व विभाग के डेटा के आधार पर तय होंगे पीडीएस के हितग्राहियों

भोपाल। मप्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत 5.32 करोड़ हितग्राही हैं। इसमें 71 लाख किसान भी शामिल हैं। किस किसान के पास कितनी भूमि है, इसका पता लगाने के लिए राजस्व विभाग के डेटा से मिलान कराया जा रहा है। इसके आधार पर राज्य सरकार निर्णय लेगी कि किसे पीडीएस प्रणाली में रखना है और किसे नहीं। बड़े क्षेत्र वाले किसान पीडीएस की सूची से बाहर किए जा सकते हैं। भारत सरकार ने प्रदेश को 75 लाख पीडीएस के हितग्राहियों की सूची भेजी है। इसमें वे हितग्राही भी हैं, जिनकी वार्षिक आय छह लाख से अधिक है, कंपनी में संचालक हैं या फिर जीएसटी के दायरे में आते हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वाले किसानों को भी शामिल किया है। यद्यपि, इनके बारे में कोई दिशा निर्देश नहीं दिए गए हैं, लेकिन राज्यों से कहा गया है कि वे अपने स्तर से नीति निर्धारित कर सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि राजस्व विभाग के डेटा से यह जानकारी निकाली जा रही है कि किस किसान के पास कितनी भूमि है। ऐसे किसान, जिनके पास पांच एकड़ से अधिक भूमि है, उनके संबंध में आगे चलकर निर्णय लिया जा सकता है। 16 हजार नाम सरकार ने पहले ही हटा दिए उधर, जिलों में कराई जांच के बाद अपात्र हितग्राहियों के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

इलिनोइस में सार्वजनिक परिवहन पर हथियार ले जाने पर प्रतिबंध को मंजूरी

स्प्रिंगफील्ड, एजेंसी। संघीय अपील अदालत ने इलिनोइस में सार्वजनिक परिवहन पर हथियार ले जाने पर प्रतिबंध को मंजूरी दे दी है। साथ ही निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया है जिसमें पाया गया था कि यह प्रतिबंध दूसरे संशोधन का उल्लंघन करता है। अमेरिकी अपील अदालत के न्यायाधीश जोशुआ कोलार ने तीन न्यायाधीशों वाले पैनल के बहुमत के मत में लिखा कि यह प्रतिबंध संवेदनशील और भीड़-भाड़ वाले, सीमित स्थानों पर हथियारों की सीमा तय करने की सदियों पुरानी प्रथा के अनुकूल है।

यूएन का दावा, यमन में हूतियों की हिरासत में हैं 19 कर्मचारी

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व निकाय के मुताबिक, यमन की राजधानी में उसके कार्यालयों पर धावा बोलने के दौरान ईरान समर्थित हूतियों ने 19 कर्मचारियों को हिरासत में लिया। यह शुरुआत में बताई गई संख्या से अधिक है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि हिरासत में लिए गए उसके कर्मचारियों में से 18 यमन के नागरिक हैं और एक अंतरराष्ट्रीय कर्मचारी है। उन्होंने सभी को तुरंत रिहा करने की अपील की।

ब्रिटिश उप प्रधानमंत्री ने कम संपत्ति कर जमा किया, बर्खास्तगी की मांग

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री और आवास मंत्री एंजेला रेनर ने स्वीकार किया कि उन्होंने गलत कानूनी सलाह मिलने के बाद हाल ही में इंग्लैंड के दक्षिणी तट पर खरीदे गए नए घर पर कम कर का भुगतान किया था। उनकी यह स्वीकारोक्ति कम स्टाम्प ड्यूटी को लेकर कई सप्ताह से मीडिया में गहन कवरेज के बाद आई है। इसके साथ ही विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी ने उन्हें बर्खास्त करने की मांग की। रेनर ने कहा, मैं स्वीकार करती हूं कि वकीलों पर भरोसा करने के कारण गलती हुई। उन्होंने प्रावधानों को नहीं समझा। मैंने खरीद के समय उचित स्टाम्प शुल्क का भुगतान नहीं किया।

ट्रंप को बड़ा झटका, जज ने पलट दिया हार्वर्ड की फंडिंग में कटौती वाला फैसला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने ट्रंप सरकार के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को दी जाने वाली 2.6 अरब डॉलर की रिसर्च फंडिंग में कटौती की गई थी। यह हार्वर्ड के लिए बड़ी जीत है। जज एलिसन बरोज ने कहा कि यह कटौती गलत थी और इसे सिर्फ इसलिए किया गया क्योंकि हार्वर्ड ने सरकार की कुछ मांगों को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप सरकार ने हार्वर्ड पर आरोप लगाया था कि वह परिसर में यहूदी-विरोधी गतिविधियों को रोकने में नाकाम रहा और वहां बहुत ज्यादा उदारवादी विचारों को बढ़ावा दिया जा रहा है। प्रशासन ने 11 अप्रैल को एक पत्र के माध्यम से हार्वर्ड से परिसर में विरोध प्रदर्शनों, अकादमिक नीतियों और प्रवेश प्रक्रियाओं में व्यापक बदलाव की मांग की थी। इस पत्र में छात्रों और शिक्षकों के दृष्टिकोण का ऑडिट करने, मेरिट-आधारित प्रवेश और नियुक्ति नीतियों को लागू करने, और विविधता, समानता और समावेशन कार्यक्रमों को बंद करने जैसे कदमों की मांग की गई थी। हार्वर्ड ने 14 अप्रैल को इन मांगों को ठुकरा दिया, जिसके तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने 2.2 अरब डॉलर की रिसर्च फंडिंग को फ्रीज कर दिया। मई में शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने घोषणा की कि हार्वर्ड नई फंडिंग के लिए पात्र नहीं होगा, और बाद में प्रशासन ने हार्वर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट्स को रद्द करना शुरू कर दिया।

जज बरोज ने अपने 84 पेज के आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने यहूदी-विरोधी गतिविधियों का हवाला देकर रिसर्च फंडिंग को अवैध रूप से रोकने के लिए फर्जी कहानी बनाई। जज ने अपने फैसले में कहा कि सरकार ने यहूदी-विरोधी गतिविधियों का बहाना बनाकर हार्वर्ड की फंडिंग रोकी, जो गलत था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने कानून के नियमों का पालन नहीं किया। जज ने आदेश दिया कि हार्वर्ड की सारी फंडिंग बहाल की जाए और भविष्य में ऐसी कटौती न हो, जो हार्वर्ड के अधिकारों का उल्लंघन करे।

हॉट माइक से लीक हुई पुतिन और जिनपिंग की बातचीत

इंसानों की उम्र बढ़ाने की संभावना पर कर रहे थे चर्चा

बीजिंग, एजेंसी।
रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके चीन के समकक्ष शी जिनपिंग जब बुधवार को कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे थे, तो एक हॉट माइक ने उनकी बातचीत रिकॉर्ड कर ली, जिसमें वह अंग प्रत्यारोपण (ऑर्गन ट्रांसप्लांट) और इंसानों की उम्र 150 साल तक बढ़ाने की संभावना पर बात कर रहे थे।

यह पल तब आया जब पुतिन और जिनपिंग उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ मिलकर एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे थे। इस प्रतिनिधिमंडल में दो दर्जन से ज्यादा विदेशी नेता शामिल थे। ये सभी बीजिंग में आयोजित एक सैन्य परेड देखने पहुंचे थे। यह भव्य सैन्य परेड द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति की 80वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित की गई थी।

1.9 अरब बार देखी गई कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज

चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के लाइवस्ट्रीम में यह पल रिकॉर्ड हुआ, जिसमें सीजीटीएन, एपी और रॉयटर्स सहित अन्य मीडिया ने भी प्रसारित किया। चीन के रेडियो और टेलीविजन प्रशासन ने बताया कि इस कार्यक्रम की सीसीटीवी कवरेज को 1.9 अरब बार ऑनलाइन देखा गया और 40 करोड़ से ज्यादा लोगों ने देखा।

तीनों नेताओं में क्या बातचीत हुई?

जैसे ही पुतिन और जिनपिंग, किम जोंग उन के साथ परेड देखने के लिए तियानानमेन के मंच की ओर बढ़ रहे थे, तो पुतिन के अनुवादक की चीनी भाषा में आवाज सुनाई दी, जिसमें वह कह रहे थे- बायोटेक्नोलॉजी लगातार विकसित हो रही है। इसके बाद एक अस्पष्ट हिस्से के बाद अनुवादक ने कहा, मानव अंगों का बार-बार प्रत्यारोपण किया जा सकता है। जितना अधिक आप जीते हैं, उतने ही युवा होते जाते हैं और (आप) भी प्राप्त कर सकते हैं। शी जिनपिंग उस समय कैमरे में नहीं दिख रहे थे, लेकिन उन्हें चीनी भाषा में जवाब देते हुए सुना गया- कुछ लोगों का अनुमान है कि इस सदी में इंसान 150 तक जी सकते हैं।

किम जोंग उन मुस्करा रहे थे और पुतिन व शी की ओर देख रहे थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह बातचीत उनके लिए अनुवाद की जा रही थी या नहीं। सीसीटीवी क्लिप में पुतिन की आवाज रूसी भाषा में साफ-साफ सुनाई नहीं दी। रूसी सरकार ने इस पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन के विदेश मंत्रालय और सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने भी रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया।

जैसे ही शी ने बोलना शुरू किया, वीडियो में दृश्य बदल गया और तियानानमेन स्क्वायर का दूर का शॉट दिखाया गया और ऑडियो धीमा हो गया। करीब तीस सेकंड बाद ही शी, पुतिन और किम दोबारा कैमरे में दिखाई दिए, जब वे परेड देखने के लिए मंच की ओर सीढ़ियों से ऊपर जा रहे थे। कार्यक्रम में पचास हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने कहा कि दुनिया अभी शांति या युद्ध के विकल्प के बीच खड़ी है। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइलों और नौसैनिक ड्रोन जैसे अत्याधुनिक हथियारों का निरीक्षण भी किया। पुतिन रविवार को चीन पहुंचे थे, जहां उन्होंने चीन की मेजबानी में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित 20 से अधिक वैश्विक नेता शामिल हुए। पुतिन और शी ने उर्जा से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक 20 से अधिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

किम के बाद बेटी जू बन सकती हैं सत्ता की दावेदार

प्योंगयाग, एजेंसी।
उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन एक ऐसी शख्सियत हैं जिनके आसपास की दुनिया हमेशा रहस्यमयी बनी रहती है। वहां की अंदरुनी राजनीति के बारे में भी बाहरी दुनिया को बहुत कम जानकारी होती है। यहां की सत्ता केवल किम परिवार के हाथों में ही रही है। उत्तर कोरिया के मौजूदा नेता किम जोंग उन इसी परंपरा को आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि उनके बाद उत्तर कोरिया की सत्ता उनकी बेटी किम जू ए के हाथों में होगी। इन अटकलों को इस बात से और बल मिला कि किम जोंग उन चीन के सैन्य परेड में शामिल होने गए तो अपनी इस किशोर बेटी को भी साथ ले गए।

विदेश के किसी कार्यक्रम में जू ए की यह पहली मौजूदगी थी। नवंबर 2022 में वह पहली बार अपने पिता के साथ किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखीं थी। यह वह समय था जब उत्तर कोरिया ने अपनी सबसे बड़ी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण का सफल प्रदर्शन किया था। परीक्षण स्थल पर किम जोंग बेटी का हाथ पकड़े दिखे थे। उसके बाद से जू अपने पिता के साथ देश में ही कई महत्वपूर्ण और समारोहों में दिखती रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की यात्रा से किम जोंग अपनी बेटी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाकर भविष्य की दिशा तय कर रहे हैं।

अमेरिका की पहली बार घट जाएगी आबादी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 250 सालों के इतिहास में पहली बार आबादी में गिरावट आने वाली है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रवासियों के आने में कमी आई है। यही नहीं देश में प्रवासियों की संख्या 5,25,000 कम होनी है। एक तरफ यह गिरावट आएगी तो वहीं अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चों का आंकड़ा 5 लाख 19 हजार रहने का अनुमान है। इस तरह अमेरिका की आबादी में कुल 6000 लोगों की कमी इस साल दर्ज की जाएगी। अमेरिकन इंटरप्राइजेज इंस्टिट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में सिविल वॉर के दौरान 7 लाख लोग मारे गए थे। तब भी आबादी में गिरावट नहीं आई थी। कोरोना काल में भी अमेरिका की आबादी निगेटिव में नहीं गई थी।

इसलिए यह ऐतिहासिक होगा कि अमेरिका की आबादी में इस साल गिरावट दर्ज होगी। आबादी में इस कमी की वजह अमेरिका की घटती जन्मदर भी है। बीते करीब 30 सालों से अमेरिका की औसत जन्मदर 1.6 ही बनी हुई है, जबकि रिप्लेसमेंट लेवल के लिए भी 2.1 जरूरी मानी गई है। इस तरह अमेरिका में परिवार लगातार छोटे हो रहे हैं और बच्चे पैदा करने में लोगों की रुचि कम हो रही है। इंस्टिट्यूट फॉर फैमिली स्टडीज के अनुसार अमेरिका में हर सप्ताह सेक्स करने वाले महिला और पुरुषों की संख्या 37 फीसदी ही है, जबकि 1990 में यह औसत 55 पर्सेंट था।

बता दें कि अमेरिका में पहले ही प्रवासियों की संख्या में तेजी से गिरावट आ रही है। आने वालों का आंकड़ा कम हुआ है तो वहीं निकलने वाले बढ़ गए हैं। इस साल के शुरुआत 6 महीनों में ही 14 लाख प्रवासियों ने अमेरिका छोड़ दिया है। अमेरिका के गृह विभाग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता संभालने के बाद से 16 लाख माइग्रेंट अमेरिका छोड़ चुके हैं।

नेपाल जाने से पहले डाउनलोड करना होगा ऐप

काठमांडु एजेंसी।
नेपाल सरकार ने विदेशी पर्यटकों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। अब सभी विदेशी मेहमानों को अपने-अपने मोबाइल फोन में एक सरकारी ऐप डाउनलोड करना होगा। पर्यटकों को अपनी आवाजाही नेपाल के सरकारी मोबाइल ऐप

नेपाल के इमिग्रेशन विभाग ने मंगलवार को इस ऐप की शुरुआत की। अधिकारियों का कहना है कि इससे वीजा अनुपालन की निगरानी, आपातकालीन बचाव कार्य और पर्यटन प्रबंधन अधिक सुगम होगा।

नेपाल आगमन पर पर्यटक को ऐप इंस्टॉल कर पासपोर्ट और वीजा विवरण दर्ज करना होगा। होटल या टूर ऑपरेटर जैसी सेवाओं का उपयोग करने पर क्यूआर कोड स्कैन करके लोकेशन दर्ज करनी होगी। ऐप वीजा समाप्त होने से पहले ऑटोमैटिक अलर्ट भेजेगा और विस्तार प्रक्रिया की जानकारी देगा। इसके जरिए सरकार ट्रेकिंग परमिट की पुष्टि, ओवरस्टे करने वालों की पहचान और पर्यटकों की आवाजाही का हीटमैप तैयार कर सकेगी।

पहले चरण की शुरुआत 17 सितंबर से होगी। काठमांडू के पांच सितारा होटलों में ठहरने वाले सभी विदेशी मेहमानों पर अनिवार्य। दूसरे चरण की

शुरुआत 17 नवंबर से होगी। नेपाल के सभी स्टार होटल, एयरलाइंस, टूर एजेंसियां और मनी चेंजर तक इसका विस्तार किया जाएगा। आगे चलकर सभी प्रकार के आवास और पर्यटन सेवाओं को जोड़ा जाएगा।

इमिग्रेशन विभाग के प्रवक्ता टिकाराम धाकल ने कहा, यह प्रणाली आपातकाल स्थिति में खोज और बचाव कार्य में मदद करेगी। साथ ही सुरक्षा एजेंसियों और पर्यटन उद्योग के बीच सूचना आदान-प्रदान को प्रभावी बनाएगी। विभाग ने अपने बयान में कहा कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय गरिमा को बढ़ाने तथा पर्यटन और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए विदेशी आगंतुकों की सभी गतिविधियां राज्य की निगरानी में आनी चाहिए।

आपको बता दें कि पर्यटन नेपाल की अर्थव्यवस्था का अहम स्तंभ है और करीब 10 लाख नौकरियों को सहारा देता है। देश में दुनिया की 10 सबसे ऊंची चोटियों में से 8 पर्वत हैं, जिनमें माउंट एवरेस्ट भी शामिल है। 2024 में नेपाल ने 5.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर पर्वतारोहण शुल्क से अर्जित किए, जिनमें तीन-चौथाई हिस्सा एवरेस्ट से आया। उसी वर्ष 11.5 लाख विदेशी पर्यटक नेपाल आए।

2025 में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अगस्त में ही 88,700 विदेशी पर्यटक नेपाल पहुंचे, जिनमें सबसे बड़ा हिस्सा (40 प्रतिशत) भारतीय पर्यटकों का रहा। इनके बाद चीनी, अमेरिकी, श्रीलंकाई और बांग्लादेशी पर्यटकों का स्थान रहा।

एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन बोलीं- लोग सोचते हैं कि मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मैं बहुत गरीब हूं

वाशिंगटन, एजेंसी।
टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की बेटी विवियन विल्सन ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें अरबपति की बेटी मानकर बेहद अमीर समझते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि वह कंगाल हैं और साधारण जिंदगी जी रही हैं।

21 वर्षीय विवियन मॉडलिंग के क्षेत्र में कदम रख रही हैं। उन्होंने द कट मैग्जीन से बातचीत में बताया कि वह तीन रूममेट्स के साथ रहती हैं क्योंकि यह सस्ता पड़ता है। उन्होंने साफ कहा, लोग सोचते हैं कि मेरे पास बहुत पैसा है, लेकिन मेरे पास लाखों-करोड़ों डॉलर नहीं हैं। विवियन ने स्वीकार किया कि उनकी मां आर्थिक रूप से संपन्न हैं और उनके पिता एलन मस्क अकल्पनीय रूप से धनी हैं, लेकिन उन्होंने खुद को इस अमीरी से अलग

रखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें बहुत ज्यादा अमीर बनने की कोई इच्छा नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे पास रहने की जगह है, दोस्त हैं, खाने को है और थोड़ा-बहुत खर्च करने लायक पैसा भी। मेरी उम्र के ज्यादातर लोगों की तुलना में मैं भाग्यशाली हूं। इंटरव्यू में विवियन ने अपने विशेषाधिकारों से भरे बचपन पर भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि उन्होंने एक ऐसे प्राइवेट हाई स्कूल में पढ़ाई की जहां अधिकतर नेपो बेबीज पढ़ते थे। उनकी क्लास में हॉलीवुड सितारों ग्वेनेथ पाल्ट्रो और क्रिस मार्टिन की बेटी एपल भी थीं। विवियन ने यह भी बताया कि उन्हें बचपन से ही कई भाषाएं सिखाई गईं जिनमें कोरियन, चीनी, जापानी और स्पेनिश शामिल हैं। उन्होंने कनाडा और जापान दोनों जगह कॉलेज में पढ़ाई की, लेकिन पढ़ाई अधूरी छोड़ दी। उनका कहना था कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव के चलते उनमें मोटिवेशन की कमी हो गई।

विवियन अब एक एजेंट से जुड़ चुकी हैं और हाल ही में टीन वोग के कवर पर नजर आईं। हालांकि उन्होंने माना कि उन्हें फेमस होने की आदत नहीं है। उन्होंने कहा, मैंने बहुत समय तक आम इंसान की तरह दिखने के लिए संघर्ष किया। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे सिर्फ स्पष्ट कारणों (एलन मस्क की बेटी) से न जानें। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही उन्हें शोहरत से ज्यादा लगाव नहीं है, लेकिन इसकी वजह से मिलने वाला पैसा उन्हें पसंद है। विवियन ने कहा, मुझे कभी-कभी अपनी पुरानी जिंदगी की सादगी याद आती है। लेकिन मैं यह भी मानती हूं कि फेमस होने से पैसे आते हैं, और यह मुझे अच्छा लगता है। गौरतलब है कि विवियन, मस्क की 14 संतानों में सबसे बड़ी हैं। वर्ष 2022 में उन्होंने कानूनी रूप से अपना नाम और जेंडर बदल लिया था और तब से उन्होंने अपने पिता से सारे संबंध तोड़ दिए हैं।

हैती में गिरोहों से निपटेगा 5550 सैनिकों वाला नया बल

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका और पनामा ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) से आग्रह किया है कि हैती में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए 5,550 सदस्यों वाले एक नए अंतरराष्ट्रीय बल को मंजूरी दी जाए और इस बल को गिरोहों के सदस्यों को हिरासत में लेने की शक्ति भी दी जाए। दोनों देशों ने यूएनएससी के सामने एक मसौदा रखा है, जिसमें हैती में पहले से तैनात केन्या के अगुवाई वाले बल को बदलने की बात कही गई है। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राजधानी के 90 फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके गिरोह

सबसे पहले केन्या के सैनिक जून 2024 में हैती पहुंचे थे। बल में शुरुआत में सैनिकों की संख्या ढाई हजार होनी थी, लेकिन फंड की कमी के कारण इस संख्या को फिहलाल एक हजार से भी कम रखा गया है। हैती में 2021 में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइज की हत्या के बाद से गिरोहों की ताकत काफी बढ़ गई है। ये गिरोह अब राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस के नब्बे फीसदी हिस्से पर कब्जा कर चुके हैं और गांवों तक अपना नेटवर्क फैला चुका हैं। इन गिरोहों के सदस्य लूटपाट, अपहरण, यौन हिंसा और दुष्कर्म जैसे अपराधों में शामिल हैं। राष्ट्रपति की हत्या के बाद से हैती में कोई निर्वाचित राष्ट्रपति नहीं है। छह पन्नों के मसौदे में हैती का धन्यवाद किया गया है कि उसने इस अंतरराष्ट्रीय बल का नेतृत्व किया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की फरवरी में कही गई बात को दोहराया गया है कि यह बल गिरोहों के बढ़ते प्रभाव को रोकने में विफल रहा है, इसलिए इसे और मजबूत करने की जरूरत है।

पीएम मोदी को रूस और चीन के करीब ला रहा व्हाइट हाउस

वॉशिंगटन , एजेंसी। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने गुरुवार (स्थानीय समय) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 टैरिफ को लेकर ट्रंप पर निशाना साधा और उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस और चीन के करीब लाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रंप की टैरिफ नीति ने पिछले अमेरिकी प्रशासन की दशकों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बोल्टन ने एक पोस्ट में कहा, व्हाइट हाउस ने पीएम मोदी को रूस और चीन के करीब लाकर अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है। बीजिंग ने खुद को अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के विकल्प के रूप में पेश किया है। उन्होंने ट्रंप की टैरिफ नीति की आलोचना करते हुए कहा कि इसने भारत को तत्कालीन सोवियत संघ (रूस) के साथ शीत युद्ध के संबंधों से दूर करने और चीन से बढ़ते खतरे से निपटने के दशकों के पश्चिमी प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। ट्रंप पर अपने आर्थिक दृष्टिकोण से रणनीतिक लाभ को खतरे में डालने का आरोप लगाया था। साथ ही उन्होंने यह भी सुझाव दिया था कि इस नीति ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को पूर्व में भू-राजनीतिक परिदृश्य को नया रूप देने का अवसर दिया है।

कांटे की टक्कर में तीसरी बार चुने गए जमैका के प्रधानमंत्री होलनेस

मुख्य विपक्षी उम्मीदवार ने हार मानी

किंग्सटन (जमैका), एजेंसी।
जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस ने संसदीय चुनाव में एक कड़े मुकाबले में गुरुवार को तीसरी बार जीत हासिल की। यह चुनाव ऐसे समय में हुआ, जब देश भ्रष्टाचार, असमानता और आर्थिक समस्याओं से जूझ रहा है। शुरुआती नतीजों के मुताबिक, होलनेस की जमैका लेबर पार्टी ने 34 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि विपक्षी नेता मार्क गोल्डिंग की पीपुल्स नेशनल पार्टी को 29 सीटों पर जीत

हासिल हुई। गोल्डिन एक संक्षिप्त भाषण में अपनी हार स्वीकार की और कहा कि उन्हें नतीजों से निराशा हुई है, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी की जीत को स्वीकार किया और उसे उनकी सफलता माना।

आम चुनाव में केवल 38.8 फीसदी रहा मतदान

जमैका में बुधवार को आम चुनाव हुए, जिनमें जमैका प्रोग्रेसिव पार्टी, यूनाइटेड इंडिपेंडेंट्स कांग्रेस और नौ निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी हिस्सा लिया। इन उम्मीदवारों ने अलग-अलग क्षेत्रों से चुनाव लड़ा। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, मतदान प्रतिशत केवल 38.8प्रतिशत रहा, जो 2020 में महामारी के दौरान हुए चुनाव के मुकाबले थोड़ा ही ज्यादा है।

जमैका की कुल आबादी 28 लाख है, जिसमें से केवल 20 लाख पंजीकृत मतदाता वोट डालने के पात्र हैं। जमैका की संसद के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा की कुल 63 सीटों पर चुनाव हुआ। जिस पार्टी को बहुमत मिलता है, उसका नेता देश का अगला प्रधानमंत्री बनता है। इसके बाद नया प्रधानमंत्री संसद के ऊपरी सदन यानी सीनेट में 21 में से 13 सदस्यों को नियुक्त करता है, जबकि विपक्ष आठ सदस्यों का चयन करता है।

मौजूदा सरकार में अपराध में आई कमी : होलनेस के नेतृत्व में इस साल अब तक जमैका में हत्या के मामलों में 43 प्रतिशत की कमी आई है, जो पिछले कई दशकों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। जमैका में अपराध इसलिए कम हुए हैं क्योंकि सरकार ने गैरकानूनी हथियारों को पकड़ना शुरू किया और देशभर में पुलिस व सुरक्षा बलों की सख्त तैनाती की। जमैका लेबर पार्टी ने इसी उपलब्धि के आधार पर प्रचार किया और खुद को ऐसी सरकार के रूप में पेश किया जिसने देश को बड़े पैमाने पर हिंसा की ओर बढ़ने से रोका। हालांकि अपराध के आंकड़ों में सुधार हुआ है, फिर भी जमैका के हिंसक इतिहास की छाया अभी भी महसूस होती है। मौजूदा सरकार ने कुछ क्षेत्रों में आपातकाल लागू करने जैसे कदम उठाए, जिसको लेकर जनता में मिली-जुली प्रतिक्रिया थी। कुछ ने इसका समर्थन किया और कुछ ने आलोचना की। निजी क्षेत्र और कई आम जमैका वासियों ने इन कदमों की सराहना की है, खासकर उन इलाकों में जहां हत्याओं की संख्या में 70 फीसदी तक की कमी आई है।

लेकिन मानवाधिकार संगठनों ने चिंता जताई थी कि इन कदमों का दुरुपयोग भी हो सकता है। उन्होंने कथित रूप से गैरकानूनी गिरफ्तारी के मामलों की ओर इशारा करते हुए कहा कि सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जमैका लेबर पार्टी ने अपने चुनाव प्रचार में यह भी जोर दिया कि उन्होंने बेरोजगारी की दर कम रखी है और देश में जो प्रगति हुई है उसे जारी रखना जरूरी है। रविवार को होलनेस ने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी फिर से सत्ता में आई, तो वे न्यूनतम वेतन को दोगुना कर देंगे। फिलहाल यह वेतन 100 डॉलर प्रति 40 घंटे के कार्य सप्ताह के हिसाब से है।

महानगरों की तर्ज पर राहतगढ़ में करोड़ों की लागत से बन रहा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स

अत्याधुनिक मॉल, मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल व प्रशिक्षण भवन जैसी सुविधाएं होंगी उपलब्ध

खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्य जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश

भोपाल| नगर संवाददाता

सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र के राहतगढ़ में महानगरों की तर्ज पर करोड़ों की लागत से अत्याधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल और प्रशिक्षण भवन का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस माल के बन जाने से राहतगढ़ क्षेत्र तथा आसपास की जनता को महानगरों की तर्ज पर माल जैसी सुविधाएं प्राप्त होने लगेगी। शुक्रवार को मध्यप्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने

निर्माणाधीन अत्याधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल और प्रशिक्षण भवन का अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति की गहन समीक्षा की और अधिकारियों व ठेकेदार को कार्य को शीघ्रता व उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि राहतगढ़ का यह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स और मॉल महानगरों के आधुनिक मॉल्स को टक्कर देगा। इसमें मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल, रेस्टोरेंट्स, और व्यवस्थित दुकानों जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो स्थानीय नागरिकों को मनोरंजन और खरीदारी का शानदार अनुभव प्रदान करेंगी। उन्होंने बताया कि यह महानगरों की तर्ज पर विकसित की जा रही है, जिसमें सुंदरता, व्यवस्थित पार्किंग, और आने-जाने के लिए सुगम रास्तों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यह शॉपिंग कॉम्प्लेक्स न केवल स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देगा, बल्कि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगा। प्रशिक्षण भवन के बारे में श्री राजपूत ने कहा कि यह युवाओं के लिए कौशल विकास का केंद्र बनेगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार का संकल्प है कि प्रत्येक युवा को रोजगार के अवसर उपलब्ध हों, और इसके लिए सुरखी विधानसभा क्षेत्र में कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

प्रस्तावित आधुनिक बस स्टैंड की चिन्हित जगह का लिया जायजा

मंत्री राजपूत ने राहतगढ़ में प्रस्तावित आधुनिक बस स्टैंड की चिन्हित जगह का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यह बस स्टैंड सर्वसुविधायुक्त और अत्याधुनिक होगा, जिसमें यात्रियों के लिए हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, राहतगढ़ के बाजार को महानगरों की तर्ज पर विकसित करने की योजना पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि यह बाजार न केवल सुंदर होगा, बल्कि व्यवस्थित दुकानों, पार्किंग और आकर्षक डिजाइन के साथ क्षेत्र की शान बढ़ाएगा। मंत्री श्री राजपूत ने राहतगढ़ वॉटरफॉल का जिक्र करते हुए कहा कि इसके सौंदर्यीकरण के बाद पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे राहतगढ़ का नाम पूरे मध्य प्रदेश में जाना जा रहा है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल और मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल के निर्माण से राहतगढ़ एक नई पहचान बनाएगा।

महाराजा अग्रसेन जयंती पर भोपाल में भव्य शोभायात्रा 20 सितंबर को

भोपाल| नगर संवाददाता

समग्र अग्रवाल समाज भोपाल द्वारा महाराजा अग्रसेन जी की 5149वीं जयंती के उपलक्ष्य में 20 सितंबर, शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा दोपहर 4:00 बजे जवाहर भवन, रोशनपुरा चौराहे से प्रारंभ होकर बाणगंगा, पॉलीटेक्निक चौराहा, शीतलदास की बगिया होते हुए अग्रसेन वाटिका, कमला पार्क (आईटीसी पार्क) में पूजन स्थल पर सम्पन्न होगी। शोभायात्रा में भगवान शंकर-पार्वती जी ऊँट पर सवार होकर, कुलदेवी माता महालक्ष्मी, महाराजा अग्रसेन व माता माधवी की आकर्षक झांकियाँ तथा महाराजा अग्रसेन जी के 18 पुत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 18 घोड़ों पर सवार 18 राजकुमार विशेष आकर्षण रहेंगे। लगभग 2000 अग्रबंधु - महिलाएं, पुरुष और बच्चे -इसमें भाग लेंगे। शोभायात्रा का मार्ग में भोपाल मेला उत्सव समिति, सिंधी सेंट्रल पंचायत, भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स, मध्य प्रदेश वैश्य महासम्मेलन सहित कई संगठनों द्वारा स्वागत किया जाएगा। अग्रसेन वाटिका में शोभायात्रा के समापन पर भव्य महाआरती, समाज के वरिष्ठ अग्रबंधुओं का सम्मान, रंगीन आतिशबाजी और भोजन-प्रसादी वितरण होगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाली महिलाओं के लिए पीले वस्त्र तथा पुरुषों के लिए सफेद वस्त्र, भगवा साफा व अंगवस्त्र का ड्रेस कोड रखा गया है। बाहर से आने वाले अग्रबंधुओं के लिए वाहन व्यवस्था की गई है। शोभायात्रा में स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत सफाई दल भी साथ चलेगा, वहीं मेडिकल इमरजेंसी हेतु एम्बुलेंस और बुजुर्गों के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था रहेगी। कार्यक्रम की जानकारी मुख्य संयोजक सुनील गर्ग ने दी। समग्र अग्रवाल समाज ने सभी अग्रबंधुओं से इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होकर महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर चलते हुए समाज में एकता का परिचय देने की अपील की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पद्मश्री साहित्यकार स्व. श्री शरद जोशी को दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश की माटी के सपूत, महान साहित्यकार स्व. श्री शरद जोशी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पद्मश्री से सम्मानित स्व. श्री शरद जोशी ने समाज, राजनीति एवं कला को मानवीय संवेदनाओं से अभिसिंचित किया। उनकी रचनाएं आमजन की प्रखर आवाज के रूप में साहित्य जगत की अमूल्य निधि हैं। हमारी स्मृतियों में वे सदैव ही स्मरणीय रहेंगे।

दुर्गा जी की झांकी स्थल का भूमि पूजन संपन्न हुआ

भोपाल| नगर संवाददाता

श्री दुर्गा उत्सव समिति व्यापारी संघ गोविंद गार्डन रायसेन रोड गोविंदपुरा भोपाल के अध्यक्ष रिंकू भटेजा ने बताया कि आगामी 22 सितंबर से प्रारंभ होने वाले शारदीय नवरात्रि पर्व के लिए समिति के सदस्यों द्वारा 29 वे वर्ष की झांकी का भूमि पूजन मंत्रोचार एवं विधि विधान के साथ पंडित गिरीश मिश्रा द्वारा कराया गया। भूमि पूजन में रिंकू भटेजा, उमेश अग्रवाल ,सचिन सेवारमानी, धीरज बाथम, भारत रामचंदानी, कमलेश धर्मानी, योगेश होलकर,आर एस अग्रवाल,एस एन अग्रवाल, अशोक सबनानी, अवनीश श्रीवास्तव, गजेंद्र ठाकुर , मुकेश व्यास, घनश्याम श्रोती, राज नारायण पटेल , संदीप सिंह ,पुनीत भटेजा, तपोश मलिक सहित अनेकों भक्त उपस्थित थे।

राज्य सैनिक बोर्ड द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

भोपाल। अपर मुख्य सचिव (गृह) श्री जे. एन. कंसोटिया, आईएएस के सेवानिवृत्ति अवसर पर बुधवार को राज्य सैनिक बोर्ड, मध्यप्रदेश के निदेशक ब्रिगेडियर अरुण नायर, एसएम एवं निदेशालय के अधिकारियों-

कर्मचारियों द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निदेशक ब्रिगेडियर नायर ने श्री कंसोटिया द्वारा पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और उनकी दूरदर्शिता एवं संवेदनशीलता की सराहना की। श्री कंसोटिया ने अपने संबोधन में पूर्व सैनिक समुदाय को राष्ट्र का गौरव बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य शासन सदैव पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवारों के हित में प्रतिबद्ध रहेगा।

गांधी शिल्प बाजार मेले का गौहर महल में हुआ विधिवत उद्घाटन

भोपाल । राजधानी भोपाल के अर्बन हार्ट गौहर महल में बुधवार शाम हुआ विधिवत उद्घाटन। उद्घाटन में मुख्य रूप से श्रीमती दुर्गा बाई व्याम पद्मश्री पुरस्कार, राजेन्द्रसिंह कुशवाह राष्ट्रीय पुरस्कार , नरसिंह सैनी सहायक निर्देशक शामिल हुए। उन्होंने मेले का शुभ आरम्भ दीप प्रज्जवलित कर व फीता काट किया। मेले का आयोजन नेटिव एजुकेशन एंड एम्प्लॉयमेंट डेवलपिंग सोसाइटी भोपाल मप्र द्वारा किया जा रहा है। उक्त गांधी शिल्प बाजार मेले के प्रायोजक डेवलपमेंट कमिश्नर हैंडीक्राफ्ट्स मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स गवर्नमेंट ऑफ इंडिया नई दिल्ली है। यह मेला दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक 1 से 7 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसमें भोपाल वासियों को मेले में दिल्ली की इमीटेशन ज्वेल्लरी , असम की हैंडलूम साड़ी जो 100 प्रतिशत कॉटन की है। वही नयनमणि नागपुर महाराष्ट्र की एम्ब्रायडरी व क्रोसिया के कुर्ते फ्रॉक स्कर्ट टॉप खरीदने का मौका मिलेगा। साथ ही चंदेरी की साड़ी सूट व बिहार भागलपुर मधुबनी साड़ी सूट प्रिंटेड कॉटन फैब्रिक तस सिल्क की साड़ी आम नागरिक खरीद सकते है।

थाना गोविंदपुरा में गुम हुए मोबाईल मिलने पर आवेदकों के चेहरे पर आई रौनक

करीब 10 लाख रुपए कीमत के 40 मोबाइल किये बरामद

भोपाल (नप्र)। भोपाल शहर में संपत्ति संबंधी अपराध पर नियंत्रण रखने के मामलों में ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल के माध्यम से शत प्रतिशत बरामदगी सुनिश्चित करने व मोबाईल झपटमारी जैसे अपराधों की रोकथाम व अपराधों पर नियंत्रण करने हेतु डॉ संजय अग्रवाल पुलिस उपायुक्त जोन-2 नगरीय पुलिस भोपाल के द्वारा समुचित दिशा निर्देश दिये गये हैं ।

उक्त निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नगरीय पुलिस भोपाल गौतम सोलंकी, सहायक पुलिस आयुक्त नगरीय पुलिस गोविंदपुरा श्रीमति अदिति बी. सक्सेना के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी थाना गोविंदपुरा भोपाल निरीक्षक अवधेश सिंह तोमर द्वारा ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल के माध्यम से 40 मोबाइल फोन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।थाना गोविंदपुरा से मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर गुम हुए मोबाइलों के आवेदकों व शिकायतकर्ता द्वारा थाने पर मोबाइल गुमने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किये गये। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस साइबर पोर्टल ष्टश्वढ्ढक्रपर सर्चिंग हेतु डाला गया सर्चिंग के दौरान थाना गोविंदपुरा की साइबर टीम के द्वारा उक्त गुम हुए मोबाइलों के ष्टश्वढ्ढक्र पोर्टल में प्राप्त लोकेशन के आधार पर जानकारी प्राप्त कर विभिन्न नंबरों को ट्रैक कर 40 मोबाइल फोन बरामद किए गये हैं । गुम हुये मोबाइल संबंधित आवेदकों व शिकायतकर्ता को सुपुर्द किये गये। जिनके द्वारा पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया गया । गुम मोबाइल फोन प्राप्त कर संबंधित फरियादियों के चेहरे पर मुस्कान आई ।

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक अवधेश सिंह तोमर थाना प्रभारी गोविंदपुरा, उनि गजराज सिंह,कार्य सउनि सचिन बेड़रे, आर. योगेश नायक (सायबर) ,आर.कार्तिक पटेल(सायबर) , आरक्षक आर. अंशुल मिठास, आर. दिव्यांशु, आर धर्मेन्द्र मीना की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने थामा पश्चिम मध्य रेलवे कर्मचारी परिषद का दामन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ठेंगड़ी भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान पश्चिम मध्य रेल कर्मचारी परिषद की कार्यप्रणाली तथा राष्ट्र हित, रेल हित एवं कर्मचारी हित पर आधारित नीतियों से प्रभावित होकर कोच फैक्ट्री भोपाल के WCRMS के कई पदाधिकारियों एवं कैंटीन प्रतिनिधियों ने पश्चिम मध्य रेलवे कर्मचारी परिषद की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मुख्य रूप से - मयंक प्रजापति (सह सचिव, , अशपाल सिंह (कैंटीन सलाहकार), महेंद्र पाल, राहुल रैकेलवार (कैंटीन सलाहकार), दिलराज मीणा, सौरभ मिश्रा, भीम बहादुर, बलराम मीणा, अजय सिंह राजेश रैकवार, कार्तिक साहू तथा अन्य साथियों ने भी संगठन का दामन थामा। इस अवसर पर रविन्द्र हिम्मते अखिल भारतीय महामंत्री, भारतीय मजदूर संघ कुलदीप गुर्जर , प्रदेश महामंत्री भारतीय मजदूर संघ शिशिर रिछारिया,जोनल महामंत्री

राहुल राज, जोनल कोषाध्यक्ष पश्चिम मध्य रेलवे कर्मचारी परिषद कोच फैक्ट्री शाखा अध्यक्ष रोविंद कुमार, सचिव अरुण सिंह ,पंकज भूषण गुप्ता,दिलीप शर्मा, गणेश सोनवाने, धीरेंद्र यादव,अक्षय साहू, गौरव साहू, जगदीश साहू,सरदार प्रजापति सहसचिव व मीडिया प्रभारी दिवाकर गुप्ता तथा कोच फैक्ट्री के अन्य कार्यकर्तागण उपस्थित थे। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम के दौरान भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय महामंत्री रविन्द्र हिम्मते ने भारतीय मजदूर संघ की नीतियों एवं कार्यपद्धति पर प्रकाश डाला तथा नए साथियों का मार्गदर्शन किया।

कथक नृत्य के विकास और संवर्धन में भोपाल का योगदान

शालू श्रीवास्तव कथक नृत्यांगना

भोपाल (नप्र)। भोपाल शहर न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध रहा है, बल्कि कथक नृत्य के विकास और संवर्धन में भी इसकी विशेष भूमिका रही है। यहाँ अनेक प्रतिष्ठित कथक नृत्य गुरुओं ने अपनी साधना, निष्ठा और रचनात्मकता के माध्यम से कथक की परंपरा को संजोया और आगे बढ़ाया। इन गुरुओं ने अपनी अनवरत साधना से इस नृत्यकला की गहराइयों को छुआ और विद्यार्थियों को इसके शास्त्रीय पक्ष, नृत्य व्याकरण, भावाभिनय और लयकारी की बारीकियों से परिचित कराया।

पंडित रामलाल जी का संबंध चक्रधर केंद्र, भोपाल से रहा। उन्होंने अनेक उत्कृष्ट रचनाएँ एवं संकलन प्रस्तुत किए। उनके शिष्यों ने भी उनकी परंपरा और कला को आगे बढ़ाते हुए देश-विदेश में उल्लेखनीय कार्य किया है। पंडित रामलाल जी ने रायगढ़ घराना का प्रतिनिधित्व किया है। डॉ. रश्मि राठौर लखनऊ घराने की प्रतिनिधि रहीं हैं। उन्होंने भी कथक के क्षेत्र में गहन साधना और समर्पण के माध्यम से

सराहनीय कार्य किया है और इस कला को नई पीढ़ी तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया ।भोपाल में एक लंबी कथक साधना की यात्रा तय करते हुए लखनऊ और जयपुर घराने की परंपराओं में कथक की गहन शिक्षा मैने प्राप्त की। वर्तमान में नई दिल्ली में रहकर अपनी कला साधना को आगे बढ़ाते हुए कलांगन फाउंडेशन - स्कूल ऑफ डांस एंड म्यूज़िक की स्थापना कर बच्चों, युवाओं और कला-प्रेमियों को नृत्य और संगीत की शिक्षा प्रदान कर रही हूं। यह संस्थान न केवल कथक का प्रशिक्षण देता है, बल्कि भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य की परंपराओं को भी संजोने का कार्य भी कर रहा है। कथक भारत की प्राचीनतम और अत्यंत लोकप्रिय शास्त्रीय नृत्य शैलियों में से एक है। यह कला उत्तर प्रदेश की धरती से उद्भूत हुई और कालांतर में देश-विदेश में अपनी विशेष पहचान बनाई। कथक के माध्यम से केवल नृत्य ही नहीं, बल्कि भाव, अभिव्यक्ति, ताल, लय और कथा-वाचन की अनूठी परंपरा का भी अनुभव कराया जाता है। भारत में कुल आठ शास्त्रीय नृत्य शैलियाँ मान्य हैं, और कथक उनमें एक विशेष स्थान रखता है।भोपाल के कथक नृत्य गुरुओं ने केवल मंचीय प्रस्तुतियों तक ही अपने कार्य को सीमित नहीं रखा, बल्कि शिक्षण और प्रशिक्षण के माध्यम से असंख्य शिष्यों को तैयार किया, जो आज देश-विदेश में इस कला के प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहे हैं।

अंतर-राज्य समूह नृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार

भोपाल (नप्र)। बीएचईएल भोपाल द्वारा आयोजित अंतर-राज्य समूह नृत्य प्रतियोगिता में तमिल संगम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस रंगारंग कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक समूहों ने अपनी पारंपरिक और आधुनिक प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।प्रतियोगिता में बीएचईएल के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें आदरणीय श्री प्रदीप कुमार उपाध्याय (महाप्रबंधक एवं इकाई

प्रमुख), श्री राजेश कुमार अग्रवाल (महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष भेकनिस), श्री आशीष औरंगाबादकर (महाप्रबंधक एवं उपाध्यक्ष भेकनिस), श्री एच.आर. पटेल (महाप्रबंधक एवं अध्यक्ष भेल शिक्षा मंडल), श्रीमती नीतू धमीजा (अपर महाप्रबंधक एवं सचिव महिला विंग), श्री विवेक सिंह यादव (सचिव भेकनिस), श्री पी.एम. डिक्शन (अपर महाप्रबंधक एवं कोषाध्यक्ष भेकनिस), श्री अभिषेक गर्ग (सांस्कृतिक सचिव भेकनिस), श्री प्रदीप कृष्णन (संचालक कलांजलि) प्रमुख रूप से शामिल रहे।तमिल संगम की ओर से श्री सुब्रमणियम सचिन और श्री रजनीकांत चौबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी टीम की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों और निर्णायकों पर गहरी छाप छोड़ी।प्रतियोगिता के माध्यम से बीएचईएल ने सांस्कृतिक विविधता और समरसता का शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया।

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दिन के टैरिफ में 20 प्रतिशत की छूट प्रदान की जा रही है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। मध?य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटरिंग पहल के अंतर्गत, माह अगस्त-2025 में कुल दो लाख 41 हजार 592 उपभोक्ताओं को उनके मासिक विद्युत बिल में टाइम ऑफ छूट का लाभ दिया गया, जिसकी कुल राशि 3 करोड़ 30 लाख रूपए है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को उनकी खपत के आधार पर ये छूट दी गई है। स्मार्ट मीटर के फायदे ऊर्जा की खपत को ट्रैक करने और ऊर्जा की बचत करने में मदद करता है। बिजली की खपत को सटीक रूप से मापता है, जिससे बिल में कोई गलती नहीं होती। ऐप के जरिए मोबाइल पर रियल-टाइम डेटा देखकर ऊर्जा की खपत को नियंत्रित कर सकते हैं। ऊर्जा की गुणवत्ता के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे ऊर्जा की खपत को बेहतर बना सकते हैं। ऊर्जा की खपत को ऑनलाइन ट्रैक करने और नियंत्रित करने की सुविधा मिलती है।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध होगी दंडात्मक कार्रवाई

पुलिस आयुक्त ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

भोपाल (नप्र)। पुलिस आयुक्त भोपाल श्री हरिनारायणचारी मिश्र ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों के विरूद्ध एवं भोपाल में जन सुरक्षा तथा लोक परिशांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, हाईक, एस.एम.एस. टेलीग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया साइट आदि का दुरुपयोग कर धार्मिक, सामाजिक, जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने के लिए किसी भी प्रकार के संदेशों का प्रसारण नहीं करेगा।

कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी भी प्लेटफार्म पर किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक एवं उन्माद फैलाने वाले संदेश, फोटो, वीडियो, ऑडियो इत्यादि, जिससे धार्मिक, सामाजिक, जातिगत आदि भावनाएं भड़क सकती हैं या सांप्रदायिक विद्वेष पैदा हो सकता है, उन्हें प्रसारित नहीं करेगा। सोशल मीडिया के किसी भी पोस्ट, जिसमें धार्मिक, सांप्रदायिक एवं जातिगत भावना भड़कती हो, को कमेंट, लाइक, शेयर या फॉरवर्ड नहीं करेगा। ग्रुप एडमिन की यह व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी कि वह ग्रुप में इस प्रकार के संदेशों को रोके। कोई भी व्यक्ति सामुदायिक, धार्मिक, जातिगत विद्वेष फैलाने या लोगों अथवा समुदाय के मध्य घृणा, वैमनस्यता पैदा करने या दुष्प्रेरित करने या उकसाने या हिंसा फैलाने का प्रयास उपरोक्त माध्यमों से नहीं करेगा और न ही इसके लिए किसी को प्रेरित करेगा। कोई भी व्यक्ति अफवाह या तथ्यों को तोड़-मरोड़कर, भड़काकर उन्माद उत्पन्न करने वाले संदेश, जिससे लोग या समुदाय विशेष, हिंसा या गैर कानूनी गतिविधियों में शामिल हो जाएं, को प्रसारित नहीं करेगा और न ही लाइक, शेयर या फारवर्ड करेगा और न ही ऐसा करने के लिए किसी को प्रेरित करेगा।

कोई भी व्यक्ति, समुदाय ऐसे संदेशों को प्रसारित नहीं करेगा, जिसमें किसी व्यक्ति, संगठन, समुदाय आदि को एक स्थान पर एक राय होकर जमा होने और उनसे कोई गैरकानूनी गतिविधियां करने के लिए आव्हान किया गया हो, जिससे कानून एवं शांति व्यवस्था भंग होने की प्रबल संभावना विद्यमान हो। भोपाल शहर की सीमा में किसी भी साइबर कैफे के स्वामी संचालक द्वारा किसी भी अनजान व्यक्ति, जिसका परिचय किसी विश्वसनीय प्रमाण-पत्र, जैसे परिचय पत्र, मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, पासपोर्ट फोटोयुक्त, पैन कार्ड या ऐसे ही अन्य साक्ष्य से प्रमाणित न हो, को साइबर कैफे का उपयोग नहीं करने दिया जायेगा। साइबर कैफे के स्वामी/संचालक द्वारा समस्त आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखा जाना आवश्यक है, जिसमें उनका हस्तलिखित नाम, पता, दूरभाष नम्बर तथा परिचय का प्रमाण पत्र अंकित हो, इसके बिना सायबर कैफे का प्रयोग वर्जित होगा। साइबर कैफे में बिना कैमरा लगाए जिसमें प्रत्येक आंगतुक / प्रयोगकर्ताओं की फोटो खींची जा सके तथा उसका अभिलेख सुरक्षित रखा जाना आवश्यक होगा।

भोपाल नगर की सीमा में उपरोक्त गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा। यह आदेश आगामी दो माह तक लागू रहेगा। इस आदेश अथवा इस आदेश के किसी अंश का उल्लंघन करना भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है।

सुपर डांसर चैप्टर 5 में करिश्मा कपूर बनेंगी खास मेहमान

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के शो %सुपर डांसर चैप्टर 5% में इस वीकेंड दर्शकों को 90 का जादू थीम के साथ एक नॉस्टैल्जिक सफर पर ले जाने वाला है। शो में बॉलीवुड दिवा करिश्मा कपूर स्पेशल गेस्ट बनकर शिरकत करेंगी। शो के बेहद टैलेंटेड कंटेस्टेंट्स अपने सुपर गुरुओं के साथ मिलकर 90 के दौर के कलाकारों को ट्रिब्यूट देंगे। वे उनके आइकॉनिक गानों और कभी न भूले जाने वाले डांस नंबर्स पर परफॉर्म करेंगे। करिश्मा कपूर ने बताया, 90 के दशक एक अलग ही समय था। तब सोशल मीडिया नहीं था और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की मौजूदगी भी आज जितनी नहीं थी। इसलिए हमें डबल मेहनत करनी पड़ती थी और बहुत लगन से काम करना पड़ता था। मेरे हिसाब से वो एक खूबसूरत वक्त था और शानदार दौर। आज जब ये स्टेज 90 के दशक का जश्न मना रहा है, तो ये बहुत इमोशनल और खास महसूस करने जैसा है। शिल्पा शेट्टी, जिन्होंने करिश्मा के साथ स्क्रीन शेयर किया है, ने उनकी मेहनत और लगन की तारीफ करते हुए कहा, लोग सोचते हैं कि शायद करिश्मा को सबकुछ (सफलता) बिना मेहनत के मिल गया, या फिर सिर्फ इसलिए क्योंकि वो कपूर फैमिली से आती हैं। लेकिन करिश्मा ने ये सफलता अपनी मेहनत से हासिल की है। मेरे हिसाब से वो अपनी सफलता की असली हकदार हैं।

ऋषभ साहनी ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में इंदिरा धर की इकोज़ ऑफ वैलोर से किया लोगों को इंप्रेस

फिल्म फाइटर में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाले अभिनेता ऋषभ साहनी ने अब अपनी दूसरी फिल्म %इकोज़ ऑफ वैलोर% के साथ अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई है। कोलकाता में जन्मीं फिल्मकार इंदिरा धर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म कान फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित होने के बाद 82वें वेनिस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी दिखाई गई।भारतीय सेना के एक सैनिक की माँ, शुक्ला बंदोधाप्याय के जीवन से प्रेरित फिल्म %इकोज़ ऑफ वैलोर% एक सैन्य परिवार के त्याग, साहस और प्रेम की दिल छू लेने वाली कहानी पेश करती है। इस फिल्म में दमदार कलाकार दिव्या दत्ता और नीरज काबी हैं और साहनी ने इसमें एक खास भूमिका निभाई है, जो एक अभिनेता के रूप में उनकी कला को दर्शाती है।इतने अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए साहनी कहते हैं, दिव्या जी की सादगी और भावनात्मक गहराई और नीरज सर की गंभीरता और समर्पण फिल्म को एक अलग ही स्तर पर ले जाते हैं। ऐसे दमदार कलाकारों के साथ एक ही फ्रेम में होना मेरे लिए गर्व की बात है।यह फिल्म सबसे पहले मई में कान फिल्म फेस्टिवल में सुर्खियों में आई थी, जहाँ फिल्ममेकर शेखर कपूर ने इंडिया पवेलियन में इसे लॉन्च किया था। वहाँ इसे मिली अच्छी प्रतिक्रिया ने फिल्म के वेनिस प्रदर्शन का रास्ता तैयार किया, जिससे निर्देशक इंदिरा धर की बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय पहचान को और भी मजबूती मिली है। साहनी के लिए यह फिल्म उनके करियर में एक बड़ा पड़ाव है। फाइटर जैसी एक्शन फिल्म से अब वह एक कहानी-आधारित फिल्म की ओर बढ़े हैं, जिसे अंतर्राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। फिल्म %इकोज़ ऑफ वैलोर% के साथ उन्होंने यह बता दिया है कि वे ऐसी भूमिकाएँ निभाना चाहते हैं, जो कमर्शियल सफलता के साथ-साथ सार्थक कहानियों को भी आगे बढ़ाएँ।

लीड एक्ट्रेस से बैकग्राउंड एक्टर बनीं प्रिया प्रकाश

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म परम सुंदरी हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म में एक साउथ एक्ट्रेस भी नजर आईं। यह एक्ट्रेस हैं साल 2019 में अपने आंख मारने वाले एक सीन से मशहूर हुईं प्रिया प्रकाश वारियर। प्रिया प्रकाश वारियर इस सीन की वजह से रातोंरात नेशनल क्रश बन गई थीं। इसके बाद उनके पास कई फिल्मों की लाइन लग गई। प्रिया ने कई साउथ फिल्मों में लीड़ रोल निभाए। लेकिन अब फिल्म परम सुंदरी में उन्हें एक्स्ट्रा के रूप में देख कई यूजर्स हैरान है। परम सुंदरी में प्रिया प्रकाश वारियर बैकग्राउंड आर्टिस्ट के तौर पर नजर आ रही हैं। प्रिया के लीड एक्ट्रेस से बैकग्राउंड एक्स्ट्रा बनने पर कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं। यूजर्स पूछ रहे हैं कि आखिर क्यों प्रिया प्रकाश को एक्स्ट्रा बनकर बॉलीवुड में काम करना पड़ा?

परम सुंदरी से प्रिया प्रकाश का वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियो में वह लाल और सफेद साड़ी पहनकर भीड़ में चुपचाप चलते हुए दिख रही हैं। जब उनके सामने सिद्धार्थ और मनजोत नजर आते हैं तो वह ब्लश करती हुई चल रही हैं। फिल्म में उनका कोई डायलॉग भी नहीं है। इस वीडियो पर यूजर्स जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये जाह्नवी कपूर के रोल के लिए बेहतर रहती। एक अन्य ने लिखा, मुझे हैरानी है कि किसी ने इसे नोटिस क्यों नहीं किया। मैं सोच रहा था कि सिर्फ मैंने देखा। एक और यूजर ने लिखा, फिल्म को काफी छांटा गया, हो सकता है कि प्रिया का रोल काट दिया गया हो? बता दें कि प्रिया प्रकाश वारियर ने साल 2018 में मलयाली फिल्म ओरु अदार लव से डेब्यू किया था। इस फिल्म के एक गाने में उनकी आंख मारने वाली क्लिप काफी वायरल हुई थी, जिसने उन्हें नेशनल क्रश बना दिया था। प्रिया ने साल 2023 में फिल्म यारियां 2 से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

दीपिका बनीं 2025 LVMH प्राइज की एंबेसडर और पहली भारतीय ज्यूरी मेंबर

दीपिका पादुकोण आज भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी सुपरस्टार मानी जाती हैं। उनकी फिल्मों की लिस्ट खुद ही उनकी कामयाबी और ग्लोबल अपील की गवाही देती है। करियर में लगातार ब्लॉकबस्टर और हज़ार-हज़ार करोड़ की कमाई करने वाली फिल्मों के साथ, दीपिका ने साबित कर दिया है कि वो सचमुच भारतीय सिनेमा का ग्लोबल चेहरा बन चुकी हैं।

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने योगदान की वजह दीपिका पादुकोण को एक बदलाव लाने वाली पर्सनेलिटी के रूप में जाना जाता है। दीपिका सिर्फ अपनी ऑन स्क्रीन सफलता से ही नहीं, बल्कि फैशन और लग्ज़री की दुनिया में भी भारत की पहचान को नया आयाम दे चुकी हैं। उन्होंने कई ग्लोबल ब्रांड्स के लिए भारत के दरवाज़े खोले हैं और आज वे दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेशनल नामों की ब्रांड एंबेसडर हैं। इस तरह से ग्लोबल प्लेटफ़ॉर्म्स पर दीपिका भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। 2022 में दीपिका पादुकोण ने ग्लोबल लग्ज़री फैशन हाउसेस जैसे लुई वीटॉन और कार्टियर द्वारा साइन किए जाने पर इतिहास रच दिया था। दीपिका इस तरह से देश की पहली भारतीय बनीं जिन्हें साइन किया, जिससे दूसरे इंडियन स्टार्स को भी आने वाले सालों में इस ट्रेंड में शामिल होने का मौका मिला। अब, दीपिका ने अपने अनोखे सफर में एक और उपलब्धि जोड़ा है। उन्हें 2025 LVMH प्राइज़ के फाइनल के लिए लुई वीटॉन की एंबेसडर और ज्यूरी मेंबर घोषित किया गया है, और इस तरह से वह इस प्लेटफॉर्म पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले हैं। दीपिका पिछले साल, नैटली पोर्टमैन 2024 LVMH प्राइज़ फॉर यंग फैशन डिज़ाइनर्स की स्पेशल ज्यूरी में शामिल हुई थीं, जहां उन्होंने स्वीडिश डिज़ाइनर एलेन होडकवा लार्सन को मेन प्राइज़ प्रेजेंट किया था। ब्रांड ने इसका ऐलान करते हुए लिखा है, दीपिका पादुकोण फॉर लुई वीटॉन- 2025 LVMH प्राइज़ ज्यूरी मेंबर हमें यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि आइकॉनिक दीपिका पादुकोण इस साल के LVMH प्राइज़ फाइनल की ज्यूरी मेंबर के रूप में शामिल हुई हैं। अपनी दीवाना कर देने वाली परफॉर्मेंस और ग्लोबल प्रेजेंस के लिए जानी जाने वाली दीपिका दुनिया भर के दर्शकों को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर प्रेरित करती हैं।

फिल्मों की बात करें तो, दीपिका पादुकोण के पास आने वाले समय में कई जबरदस्त प्रोजेक्ट्स हैं। वह डायरेक्टर एटली के साथ फिल्म AA22XA6 में काम करने जा रही हैं, जिसमें उनका ऑपोजिट अल्लू अर्जुन नजर आएंगे। उनके पास अपनी ब्लॉकबस्टर हिट ब्लॉकबस्टर फिल्म 2898एडी का सबसे ज्यादा इंतेज़ार किया जाने वाला सीक्वल भी है।

तान्या के सपोर्ट में उतरीं गौहर

बिग बॉस सीजन 7 की विनर गौहर खान हर साल इस शो को देखती हैं और खुलकर अपनी राय रखती हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए शो में चल रहे मुद्दों पर बात करती हैं। इस बार गौहर सीजन 19 की कंटेस्टेंट तान्या मित्तल के सपोर्ट में उतरी हैं। गौहर का कहना है कि बिग बॉस के घर के दूसरे सदस्य बेवजह ही तान्या पर अटैक कर रहे हैं और बिना किसी कारण ही उनके साथ घर में गलत व्यवहार किया जा रहा है। हालांकि गौहर की इस बात से बिग बॉस के कई फैंस सहमत नहीं है और उन्होंने इसके लिए गौहर को जमकर ट्रोल भी किया है। तान्या मित्तल जो एक सक्सेसफुल बिजनेसवुमन है अक्सर घर में अपने स्टेटस को लेकर बातें करती है। उनका यह एटीट्यूड लोगों को पसंद नहीं आ रहा है। लेकिन गौहर का कुछ और ही कहना है।तान्या के बचाव में गौहर ने लिखा है कि घर के अंदर हर कोई बिना वजह तान्या पर अटैक कर रहा है। गौहर का कहना है कि सारे घर वालों को तान्या से खतरा महसूस हो रहा है इसलिए उनके साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है। बिना किसी बात के ही घरवाले उन्हें टारगेट करते हैं।गौहर के इस पोस्ट पर कई यूजर्स ने उन्हें खूब ट्रोल किया है। एक यूजर का कहना है कि गौहर जिधर फेम देखती हैं उधर ही झुक जाती है। वहीं दूसरे ने तान्या बहुत ही इरिटेटिंग कहा है। यहां तक कि यूजर्स ने गौहर को इस मामले में कुछ ना बोलने को कहा है।यह पहली बार नहीं है जब गौहर ने तान्या का सपोर्ट किया है। इसके पहले भी उन्होंने अपने एक पोस्ट में तान्या को क्यूट का टैग दिया था। गौहर के अलावा टीवी एक्ट्रेस फलक नाज ने भी तान्या की जमकर तारीफ की थी।

क्रिकेट को अलविदा

अमित मिश्रा का क्रिकेट के सभी प्रारूप से संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज लेग स्पिनर रहे अमित मिश्रा ने गुरुवार को क्रिकेट के हर प्रारूप से संन्यास की घोषणा कर दी। वह आईपीएल में भी खेलते नजर नहीं आएंगे। मिश्रा को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पर्याप्त मौके नहीं मिले , लेकिन आईपीएल का वह एक बड़ा चेहरा रहे हैं। 2008 से 2024 के बीच अलग-अलग टीमों का हिस्सा रहते हुए उन्होंने लीग के सफलतम गेंदबाजों में अपना नाम शुमार किया है। अमित मिश्रा 2008 से 2024 के बीच दिल्ली डेयरडेविल्स, डेक्कन चार्जर्स , सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और एलएसजी के लिए खेले। इस दौरान मिश्रा ने 162 मैचों में 174 विकेट लिए। अमित मिश्रा आईपीएल इतिहास में तीन बार हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। तीनों हैट्रिक उन्होंने अलग-अलग टीमों के लिए खेलते हुए लिए हैं। मिश्रा ने 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स, 2011 में डेक्कन चार्जेस और 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए हैट्रिक लिए। आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में अमित मिश्रा आठवें स्थान पर हैं। 2020 लेकर 2024 के मिश्रा को सिर्फ 15 मैच खेलने का मौका मिला, जिसमें उन्होंने 17 विकेट मिले। पिछले चार साल में अगर उन्हें पर्याप्त मौके मिले होते तो आईपीएल के सफलतम गेंदबाजों की सूची में उनका नाम और ऊपर होता।

उपयोगी बल्लेबाज भी रहे

मिश्रा एक बेहतरीन लेग स्पिनर रहे हैं। 2003 से लेकर 2017 के बीच 22 टेस्ट में 76, 36 वनडे में 64 और 10 टी20 में 16 विकेट उन्होंने लिए। वह निचले क्रम के एक उपयोगी बल्लेबाज भी रहे। टेस्ट में उनके चार अर्धशतक हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 84 है, जो उन्होंने 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ ओवल में टेस्ट में बनाया था।

25 वर्ष के हुए अभिषेक

उधार का बैट लेकर ठोका अपना पहला शतक

दिग्गजों ने शुभकामनाएं दी

अभिषेक शर्मा ने केवल 47 गेंदों में 8 छक्के और 7 चौकों की मदद से 100 रनों की पारी खेली. शुभमन गिल अभिषेक के बचपन के दोस्त हैं. जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार पारी खेलने से पहले ही अभिषेक ने बड़ा कमाल किया था. 4 सितंबर को अभिषेक शर्मा को बर्थडे है, जिस पर उन्हें उनको शुभकामनाएं दी हैं.

नई दिल्ली, एजेंसी। अपने दूसरे ही टी-20 मैच में शतक ठोकने वाले टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा 25 साल के हो गए हैं. उन्होंने जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने दूसरे ही मैच में शतक बनाया था. इस दौरान हैरान करने देने वाली बात ये थी कि उन्होंने ये शतक उधार के बल्ले से ठोका था. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज अब तक टी-20 में दो शतक ठोक चुका. इससे पहले भी इस खिलाड़ी ने कई कमाल की पारियां खेली थी. उन्होंने केवल 7 मैचों 1200 से ज्यादा रन बनाकर सबको हैरान कर दिया था. आइए हम उनके बारे में पांच बड़ी बातें आपके साथ साझा करते हैं. अभिषेक शर्मा ने अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ की थी. पहले मैच में वो खाता भी नहीं खोल पाए थे, लेकिन दूसरे मैच में उन्होंने कमाल कर दिया. उन्होंने अपने दोस्त शुभमन गिल के बल्ले से शानदार शतक ठोक दिया.

शाकिब अल हसन का रिकॉर्ड तोड़ा, 73 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली

एशिया कप से पहले बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने रचा इतिहास

टी20 में सबसे ज्यादा 50+ रन	
विराट कोहली (भारत)	39
बाबर आजम (पाकिस्तान)	39
रोहित शर्मा (भारत)	37
मोहम्मद रिजवान (पाकिस्तान)	31
डेविड वार्नर (ऑस्ट्रेलिया)	29

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 में 73 रनों की रिकॉर्ड पारी खेली. एशिया कप अभियान से पहले ये उनके मनोबल को बढ़ाएगा. हालांकि बारिश के कारण तीसरा टी20 रद्द हो गया और 3 मैचों की सीरीज बांग्लादेश ने 2-0 से अपने नाम की. तीसरे टी20 में अर्धशतक लगाकर लिटन दास ने शाकिब अल हसन का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा. तीसरे टी20 में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था. कप्तान लिटन दास सैफ हसन के साथ ओपनिंग पर उतरे, उन्होंने 46 गेंदों में 158.70 की स्ट्राइक रेट से 73 रन बनाए. इस पारी में उन्होंने 4 छक्के और 6 चौके जड़े. 18.2 ओवरों तक बांग्लादेश का स्कोर 164/4 था, जब बारिश की वजह से मैच रुका और फिर इसके बाद दोबारा शुरू नहीं हो सका.

लिटन दास इस लिस्ट में बने नंबर-1

इस अर्धशतकीय पारी के बाद लिटन दास बांग्लादेश के लिए अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. पहले टॉप पर शाकिब अल हसन थे, जिन्होंने 129 मैचों की 127 पारियों में 13 अर्धशतक लगाए हैं. लिटन दास का ये 14वां टी20 अर्धशतक है, वह इस लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं. उनके टी20 करियर की बात करें तो 110 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 2437 रन बनाए हैं, इसमें 77 छक्के और 235 चौके हैं.

वर्ल्ड में नंबर-1 है विराट कोहली!

दुनिया में सबसे ज्यादा टी20 अंतर्राष्ट्रीय में 50 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली संयुक्त रूप से बाबर आजम के साथ टॉप पर है. दोनों ने 39-39 बार ऐसा किया है. विराट कोहली टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं जबकि बाबर आजम अभी टीम से बाहर चल रहे हैं. बाबर एशिया कप 2025 के लिए पाकिस्तान स्क्वाड में नहीं चुने गए.बांग्लादेश क्रिकेट टीम एशिया कप 2025 के ग्रुप बी में शामिल है. उनके साथ इस ग्रुप में अफगानिस्तान, श्रीलंका और हांगकांग की टीम है. ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई हैं. बांग्लादेश का पहला मैच 11 सितंबर को हांगकांग के साथ है.

एशिया कप 2025

12 गेंद में अर्धशतक ठोकने वाला बना कप्तान, पाकिस्तान छोड़ते ही चमकी किस्मत

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप के लिए यूएई की टीम ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में 17 खिलाड़ी चुने गए हैं जिसकी कप्तानी मुहम्मद वसीम को मिली है. मुहम्मद वसीम यूएई के धाकड़ बल्लेबाजों में से एक हैं, वो पिछले दो सालों से टी20 क्रिकेट में कमाल प्रदर्शन कर रहे हैं और 2023 में ही उन्हें टी20 टीम की कप्तानी मिली थी और एशिया कप जीतने के लिए अब यूएई ने उनपर ही भरोसा दिखाया है. यूएई की टीम की बात करें तो वो ग्रुप ए में भारत, ओमान और पाकिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगी. यूएई का पहला मैच 10 सितंबर को भारत से है. ये मैच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होगा.

मुहम्मद वसीम (कप्तान), आलीशान शराफू, आर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, इथा डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतिउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहेब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह और सागिर खान.

मुहम्मद वसीम को यूएई का कप्तान मिली है जो कि यूएई ही नहीं पूरे गल्फ के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं. दाएं हाथ का ये ओपनर हाल ही में टी20 में सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला कप्तान बना है. मुहम्मद वसीम ने रोहित शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा था. मुहम्मद वसीम पाकिस्तान के बलूचिस्तान में पैदा हुए लेकिन साल 2017 में वो यूएई आ गए. यहां उन्होंने सेल्समैन की नौकरी करते हुए क्लब क्रिकेट खेलना शुरू किया और जल्द ही वो देश के टॉप खिलाड़ियों में शामिल हो गए.

31 साल के इस खिलाड़ी ने यूएई के लिए 80 टी20 मैचों में 38 से ज्यादा की औसत से 2859 रन बनाए हैं. टी20 इंटरनेशनल में वसीम 3 शतक ठोक चुके हैं. उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से ज्यादा का है. ये खिलाड़ी टी10 टूर्नामेंट में सिर्फ 12 गेंदों में अर्धशतक लगाने का कमाल कर चुका है. गजब की बात ये है कि मुहम्मद वसीम ने गली में टेप बॉल क्रिकेट खेला है और उसी तकनीक से वो इंटरनेशनल क्रिकेट में भी छक्कों की बारिश करते हैं. अब देखना ये है कि ये खिलाड़ी एशिया कप में क्या करता है. वैसे उनकी फॉर्म इस वक्त कमाल है.

जीएसटी स्लैब में बदलाव

आईपीएल टिकटों पर 40 टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं ।सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी। दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा। यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा। वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा।

एशिया कप हॉकी

महिला एशिया कप हॉकी में नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से परेशान भारतीय महिला हॉकी टीम अतीत की नाकामियों को भुलाकर शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत करने उतरेगी। विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम पूल बी के मैच में 30वीं रैंकिंग वाली थाईलैंड टीम से खेलेगी। भारत पूल में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है जिसमें जापान (12), थाईलैंड और सिंगापुर (31) भी है। पूल ए में चीन, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया और चीनी ताइपे हैं।चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। थाईलैंड के बाद भारत का सामना शनिवार को जापान से और आठ सितंबर को सिंगापुर से होगा।अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर दीपिका को लगी चोटों से भारतीय टीम कमजोर हुई है। सविता टखने की चोट के कारण बाहर है जो उन्हें अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। दीपिका की जगह साक्षी खेल रही हैं। फॉरवर्ड और ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने पिछले कुछ अर्से में शानदार प्रदर्शन किया है। इन दोनों के नहीं खेलने से कप्तान सलीमा टेटे, नवनीत कौर, उदिता, नेहा, शर्मिला देवी और लालरेम्सियामी पर अधिक दारोमदार होगा। भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है और एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में आखिरी स्थान पर रहने के बाद टीम नीचे खिसक गई। भारत ने एशिया कप 2004 और 2017 में जीता है। भारत के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को भी पता है कि प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव होगा। भारत ने प्रो लीग के 16 मैचों में 100 से ज्यादा पेनल्टी कॉर्नर गंवाये जिनमे से 17 बेल्जियम के खिलाफ ही गंवा दिए। टूर्नामेंट में आठ टीमें भाग लेंगी और हर पूल से शीर्ष दो टीमें सुपर 4 चरण में पहुंचेंगी। सुपर 4 चरण की शीर्ष दो टीमें 14 सितंबर को फाइनल खेलेंगी।

दलीप ट्रॉफी : सेमीफाइनल में रुतुराज गायकवाड़ ने जड़ा 8वां फर्स्ट क्लास शतक

दलीप ट्रॉफी 2025 में वेस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच चल रहे सेमीफाइनल मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए अपना 8वां फर्स्ट क्लास शतक जड़ा। चोट से उबरने और बुची बाबू टूर्नामेंट में कुछ मैच खेलने के बाद वापसी करते हुए गायकवाड़ ने रजत पाटीदार की अगुवाई वाले सेंट्रल जोन के खिलाफ पहले दिन के दूसरे सत्र में 131 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।इस मैच में सभी की निगाहें श्रेयस अय्यर पर थी जिन्हें टी20 एशिया कप 2025 के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। लेकिन अच्छी शुरुआत के बाद 28 वर्षीय अय्यर बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अहमद की गेंद पर बोल्ड आउट हो गए। उन्होंने 28 गेंदों में 25 रन की पारी में चार चौके लगाए। इससे पहले शार्दुल ठाकुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पारी की शुरूआत खलील ने पहले ओवर में जायसवाल को स्टंप्स के सामने आउट करने से की। दीपक चाहर ने चौथे ओवर में हार्विक देसाई को आउट किया। फिर गायकवाड़ ने पारी को आगे बड़ाते हुए तीसरे विकेट के लिए आर्य देसाई के साथ 82 रनों की साझेदारी की। पहले सत्र के अंत में आर्य को हर्ष दुबे ने 84 गेंदों में 39 रन पर आउट कर दिया।

यूपी टी20 लीग में मैच फिक्सिंग का साया ! मन-मुताबिक खेलने की फिक्सर ने की डिमांड... इंस्टाग्राम से रचा षडयंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। यूपी टी-20 लीग 2025 में मैच फिक्सिंग की कोशिश का सनसनीखेज मामला सामने आया है. काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन चौहान को सोशल मीडिया के जरिए एक करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया. आरोप है कि फिक्सर चाहता था कि टीम का एक खिलाड़ी उसकी बताई गई रणनीति के हिसाब से खेले. इस प्रस्ताव को अर्जुन चौहान ने तुरंत ठुकरा दिया और इसकी जानकारी बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) को दी. मैच फिक्सर ने कैसे रचा फिक्सिंग का षडयंत्र?

बीसीसीआई की पड़ताल में सामने आया कि संदिग्ध यूजर लगातार अर्जुन से बातचीत करने की कोशिश कर रहा था और उस पर दबाव बना रहा था. पहले प्रमोशन कराने की बात की गई, फिर कॉल करने का प्रयास हुआ और इसके बाद मैच फिक्स करने का सीधा प्रस्ताव रख दिया गया. यूजर ने कहा कि एक करोड़ रुपये मिलेंगे, जिसमें से 50 लाख अर्जुन अपने पास रख सकते हैं. रकम अमेरिकी डॉलर में ऑनलाइन ट्रांसफर करने की बात भी कही गई.

इस पूरे मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग के क्षेत्रीय सत्यनिष्ठा प्रबंधक हरदयाल सिंह चंपावत ने शिकायत दर्ज कराई है. वह एंटी करप्शन यूनिट, मध्य क्षेत्र जयपुर में पदस्थ हैं और फिलहाल लखनऊ में तैनात हैं.

बंदूकबाज बेटी पर गर्व कीजिए

सुरुचि सिंह ने सिर्फ मनु भाकर ही नहीं, इन धुरंधर चीन की शूटरों को भी पछाड़ा, बनीं वर्ल्ड नंबर वन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शूटिंग के लिए गर्व का पल है। युवा भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शानदार विश्व कप सीजन के बाद करियर में पहली बार महिला एयर पिस्टल में विश्व नंबर 1 रैंकिंग हासिल की। उन्होंने न सिर्फ ओलंपिक में दो मेडल जी चुकी देश की सूरमा बंदूकबाज मनु भाकर को पीछे छोड़, बल्कि कई बड़ी चीनी शूटरों पर भी भारी पड़ीं। सुरुचि 4162 अंकों के साथ वर्तमान में विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर हैं और अगले तीन चीनी निशानेबाजों से आगे हैं। उन्होंने इसी साल सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया और लगातार तीन व्यक्तिगत विश्व कप खिताब जीतकर अपने करियर की शानदार शुरुआत की। यह उपलब्धि 19 वर्षीय भारतीय निशानेबाज के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, क्योंकि वह अपनी पहली विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हैं। सरुचि की हमवतन और पेरिस ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर वर्तमान में 1988 की रेटिंग के साथ महिला एयर पिस्टल विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर हैं। मौजूदा एशियाई चैंपियन, सिफत कौर समरा, महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन श्रेणी में वर्तमान आईएसएसएफ विश्व रैंकिंग में शीर्ष तीन में शामिल एकमात्र अन्य भारतीय निशानेबाज हैं। वह वर्तमान में 3034 की रेटिंग के साथ विश्व में दूसरे स्थान पर हैं, जो नॉर्वे की म्यूनिख विश्व कप चैंपियन जीनेट हेग डुएस्टैड से थोड़ा पीछे है।

महिला 10 मीटर एयर पिस्टल रैंकिंग की टॉप-शूटर

रैंक	रेटिंग	नाम	देश
1	4162	सुरुचि इंदर सिंह	भारत
2	3195	याओ कियानक्सुन	चीन
3	2178	कियान वेई	चीन
4	2158	जियांग रानक्सिन	चीन
5	2020	जेड्रेजेव्स्की केमिल	फ्रांस
6	1988	भाकर मनु	भारत

संक्षिप्त खबरें

शेयर ट्रेडिंग में निवेश कराकर सात लाख रुपये ठगे

गाजियाबाद। ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों ने कविनगर की चिरंजीव विहार निवासी आनंद चौरसिया को निशाना बनाया। युवती ने कॉल कर आनंद को शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने की सलाह दी। साथ ही अन्य व्यक्ति से संपर्क कराया। फर्जी एप डाउनलोड कराकर पीड़ित से सात लाख दो हजार 715 रुपये ठग लिए। पीड़ित ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

एडीसीपी पीयूष कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित आनंद चौरसिया के अनुसार 20 मई 2025 को उनके पास एक अनजान युवती की कॉल आई और अपना नाम दिव्या अग्रवाल बताया। बातचीत के दौरान दिव्या अग्रवाल ने बताया कि शेयर ट्रेडिंग में निवेश करने से 20 से 30 प्रतिशत का मुनाफा वह ले रही है। युवती ने अपने चाचा सुदर्शन की आनंद चौरसिया से बातचीत कराई। सुदर्शन ने बताया कि वह वित्तीय विशेषज्ञ हैं और निवेश करने के दौरान उनका मार्गदर्शन और मदद करेंगे। युवती ने पीड़ित को लिंक भेजा और एक ग्रुप से जोड़ दिया। पीड़ित के अनुसार तीन दिनों के अंतराल में ही सात लाख दो हजार 715 रुपये निवेश किए। रुपये निकालने का प्रयास किया तो असफल रहे। पीड़ित ने ठगों के खिलाफ साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

जलभराव और महाजाम पर बने मीम, सरकार पर कसा तंज

गुरुग्राम। सोमवार, मंगलवार और अब बृहस्पतिवार को गुरुग्राम में बारिश के बाद सड़कें वेनिस की तरह नहरों जैसी नजर आईं और 18 किमी लंबा जाम लगा। उसके बाद से हर दिन सोशल मीडिया गुरुग्राम की दुर्दशा पर मीम से भर रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से लेकर केंद्र सरकार पर तंज कसे गए हैं। मिलेनियम सिटी की पहचान वाले गुरुग्राम में सोशल मीडिया यूजर भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर सवाल उठा रहे है। लेखक सुहेल सेठ ने तंज कसा कि लगता है डिज्नीलैंड आ ही गया है। 11 साल से इस राज्य को चला रहे हैं। इसके लिए तो आप नेहरू को दोष नहीं दे सकते। खट्टर-सैनी क्या कर रहे हैं? गुरुग्राम की दुर्दशा पर यूट्यूबर ध्रुव राठी ने वीडियो पोस्ट की जिसमें जलभराव और करोड़ों के फ्लैट वाले गुरुग्राम में ट्रिपल इंजन सरकार पर कटाक्ष किए गए। गूगल और एक्स पर गुरुग्राम जाम और पानी भरने के वीडियो के कारण ट्रेंड कर रहा है। हर तीसरी पोस्ट गुरुग्राम को लेकर की गई है। विपक्षी नेताओं ने गुरुग्राम के मंत्री, विधायक, सांसद और मेयर के लापता होने को लेकर पोस्ट की। पोस्ट में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, मनोहर लाल और प्रदेश सरकार के मंत्री राव नरबीर सिंह के काम पर सवाल उठाए गए हैं

रेटिंग करके मुनाफा कमाने के नाम पर 1.07 लाख ठगे

गुरुग्राम। रेटिंग करके मुनाफा कमाने के नाम पर एक युवक को झांसे में लेकर जालसाजों ने 1.07 लाख रुपये की ठगी की। एक जालसाज ने व्हाट्सएप पर संपर्क करके रुपये कमाने के बारे में बताया था। पीड़ित युवक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने साइबर अपराध थाना दक्षिण में मामला दर्ज किया है। सेक्टर-67 निवासी रमेश कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 27 अगस्त को एक अज्ञात व्यक्ति ने उससे व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क किया और रेटिंग देने के बारे में बताया। इसके बाद रमेश को झांसे में लेकर 50 हजार रुपये ट्रांसफर कराए गए। अलग-अलग किस्तों में रमेश कुमार से 1.07 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। इसके बाद भी जालसाजों ने रमेश कुमार से 1.28 लाख रुपये और मांगे गए तो उसने ट्रांसफर करने से मना कर दिया और उसके इसके बाद भी जालसाज रमेश को कॉल व मैसेज करके रुपये भेजने के लिए परेशान करते रहे। पीड़ित रमेश कुमार ने ठगी के बारे में एनसीआरपी पोर्टल के माध्यम से पुलिस को शिकायत दी।

हाईटेंशन लाइन गिरने पर बचकर भागा युवक कैंटर की चपेट में आया, मौत

इंदिरापुरम। कनावनी पुस्ता में चार सितंबर की सुबह करीब 11 बजे सड़क किनारे जा रहे युवक के पास हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। करंट से बचने के लिए युवक दौड़ा तभी सड़क पर जा रहे टैंकर की चपेट में आकर घायल हो गया। कैंटर चालक ने घायल युवक को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने ऊर्जा निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए करीब आधा घंटे तक जमकर हंगामा किया और सड़क भी जाम की। पुलिस ने लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। हालांकि मृतक की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है।

हादसे का शिकार हुआ युवक कनावनी में मजदूरी करता था। मूलरूप से किसी अन्य शहर का रहने वाला बताया जा रहा है। बृहस्पतिवार को वह मजदूरी स्थल से दोपहर का खाना खाने के लिए जा रहा था। तभी सड़क के ऊपर से निकल रही हाईटेंशन लाइन का तार उसके ठीक पास आकर गिरा। जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में वह सड़क की तरफ भागा। उसी समय सड़क पर जा रहे एक टैंकर चालक ने तार टैंकर पर गिरने की चिंता में गाड़ी को आगे बढ़ाया तभी युवक उसकी चपेट में आ गया। स्थानीय व्यक्ति धर्मेंद्र तिवारी ने बताया कि टैंकर चालक ने अन्य लोगों के साथ मिलकर घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया था लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वह कहां काम कर रहा था अभी इसकी जानकारी भी नहीं मिल पाई है। शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। एक पुलिस टीम युवक की शिनाख्त के प्रयास में जुटी हुई है।

ऊर्जा निगम की लापरवाही पड़ न जाए भारी

बृहस्पतिवार को हुए हादसे के बाद बड़ी संख्या में एकत्र हुए स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा काटा। यहां तक कि कनावनी पुस्ता मार्ग को भी जाम कर दिया। क्षेत्र के ही रहने वाली गायत्री ने नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि ऊर्जा निगम की लापरवाही के चलते यह पांचवा हादसा हुआ है।

तीन युवकों ने फंदे से लटककर दी जान

गाजियाबाद। कविनगर, सिहानी गेट और विजयनगर थाना क्षेत्रों में तीन अलग-अलग युवकों ने फंदे से लटककर जान दे दी। कविनगर के शास्त्रीनगर और सिहानी गेट थाना क्षेत्र के जटवाड़ा में फंदा लगाने दोनों युवकों के नाम सचिन राठौर और सचिन वाल्मीकि हैं। जबकि विजयनगर की कांशीराम कालोनी में फंदा लगाकर जान देने वाले का नाम शाकिर है। पुलिस ने दोनों के शवों का मेडिकल परीक्षण कराकर उनके परिजनों को सौंप दिए हैं।

एडीसीपी पूनम मिश्रा ने बताया कि सिहानीगेट थाना क्षेत्र के जटवाड़ा मोहल्ले में बुधवार की रात करीब आठ बजे सचिन वाल्मीकि (26) का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार सचिन शराब पीने का आदी था और परिवार से अलग किराये के कमरे में रह रहा था। बुधवार की देर रात नशे की हालत में सचिन ने पटेलनगर निवासी भाभी को फोन किया और आत्महत्या करने की धमकी दी। सचिन को समझाने उसकी भाभी जटवाड़ा पहुंची तो कमरा अंदर से बंद था। खिड़की से झांककर देखा तो सचिन का शव फंदे से लटका मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला और मेडिकल परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया। उधर, कविनगर एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह शास्त्रीनगर में एक युवक का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। युवक का नाम सचिन राठौर(27) है और मेरठ में एसीसी सीमेंट कंपनी में काम करता था। परिजनों ने मुताबिक

घरेलू कलह के चलते सचिन राठौर ने आत्महत्या की है। सुबह जब वह उसे जगाने कमरे में पहुंचे तो सचिन राठौर का शव फंदे से लटका मिला। उधर एसीपी नगर कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि विजयनगर थाना क्षेत्र की कांशीराम कालोनी में रहने वाला शाकिर (28) मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था। बृहस्पतिवार की सुबह दंपती में कहासुनी के बाद शाकिर कमरे में गया और दुपट्टे से फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों का मेडिकल परीक्षण कराकर उनके परिजनों को सौंप दिए हैं। हालांकि तीनों में से किसी भी पीड़ित परिजन ने थानों में तहरीर नहीं दी है।

दिल्ली में अभी भी खतरे के निशान से ऊपर यमुना, बाढ़ का खतरा बरकरार; राहत शिविरों में भी पानी

नई दिल्ली : दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। पुराने लोहे के पुल की सड़क तक पानी पहुंचने की उम्मीद है। गुरुवार को पुराने रेलवे पुल पर नदी का जलस्तर 207.48 मीटर तक पहुंच गया था, जो इस सीजन का सबसे ऊंचा स्तर है। कुछ समय तक स्थिर रहने के बाद अब धीरे-धीरे इसमें कमी आनी शुरू हो गई है। सिग्नेचर ब्रिज से ड्रोन के जरिए तस्वीर ली गई। जहां लगातार बारिश के बाद यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। लगातार बारिश के बाद यमुना नदी के उफान पर आने और खतरे के निशान को पार करने के कारण निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को मयूर विहार फेज-1 के पास बनाए गए राहत शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। बाढ़ के पानी को बाहर निकालने के लिए वासुदेव घाट के आसपास के इलाकों में मशीनें लगाई गईं। संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया गया है। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर शुक्रवार सुबह 207.33 मीटर तक पहुंच गया है। जबकि चेतावनी स्तर 204.50 मीटर, खतरनाक स्तर 205.33 मीटर और हाई फ्लड लेवल 208.66 मीटर है।

दिल्ली समेत एनसीआर में भी बाढ़ का खतरा : सिविल लाइंस इलाके में स्थित मोनेस्ट्री मार्केट में पानी भरा हुआ है, क्योंकि यमुना नदी उफान पर है। शहर के कुछ हिस्सों में घुस गई है। भारी बारिश के बाद यमुना नदी के उफान पर आने और शहरों में प्रवेश करने से एनसीआर के कुछ हिस्सों में बाढ़ का पानी भरा हुआ है। नोएडा सेक्टर 135 में यमुना का पानी पहुंच गया है।

घरों में घुसा पानी, एनडीआरएफ ने रेस्क्यू कर 30 लोगों को निकाला

लोनी। यमुना नदी के डूब क्षेत्र में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है। इसके बाद भी कुछ परिवारों के लोग चोरी के डर से घरों को नहीं छोड़ रहे। प्रशासन की टीम दो दिनों से ऐसे लोगों को मनाने में जुटी है। बृहस्पतिवार को एनडीआरएफ की टीम ने ऐसे करीब 30 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला है। अभी करीब 12 घरों में एक-एक सदस्य अपनी जान पर खेल कर रह रहा है। कई किसानों की फसलें बर्बाद हो गई हैं।

लोनी एसडीएम दीपक कुमार ने बताया कि हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने पर लोनी के डूब क्षेत्रों में पानी भरा है। एनडीआरएफ समेत अन्य टीमें बदरपुर समेत आसपास के गांवों में रह रहे लोगों को बाहर निकाल रही हैं। डूब क्षेत्र में रह रहे लोगों को बाहर निकालकर राहत शिविरों में जाने के लिए कहा गया है। हालांकि कई लोग शिविरों में जाने के लिए तैयार नहीं हैं।

लोगों का कहना है कि वह पुश्ता के ऊपर ही रहना चाहते हैं। प्रशासन की टीम ने ऐसे लोगों के लिए शिविर लगाए हैं। इन लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी लगातार शिविर में रह रहे लोगों की देखभाल कर रही है। लोगों के लिए दवाइयां भी उपलब्ध कराई हैं।

उन्होंने अपर जिलाधिकारी सौरभ भट्ट के साथ क्षेत्र का निरीक्षण किया है। आबादी वाले गांवों के लोगों को सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। एसडीएम ने बताया कि शाम के समय पानी घटने की जानकारी मिली है। जल्द पानी का लेवल नीचे पहुंच जाएगा।

सुबह पानी का लेबल 211.75 था

पहाड़ों में हो रही बारिश और हथनी कुंड बैराज से छोड़े गए पानी से यमुना नदी का जलस्तर 211.75 मीटर से ऊपर बना हुआ है। आपदा से बचाव के लिए प्रशासनिक अधिकारी लगातार तटबंध का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रशासन ने प्रभावितों के लिए 12 शरण स्थल बनाकर भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की है।

पशुओं के चारे की समस्या बनी

पचायरा गांव के नंदलाल ने बताया कि पानी आने के बाद उनके साथ ही 40 अन्य परिवारों के लोग ऊपर पुश्ता पर आकर रह रहे हैं। बाढ़ का पानी भरने से 20 लाख रुपये से ऊपर का नुकसान हो गया है। प्रशासन ने परिवारों को खाने और पानी की व्यवस्था की जा रही है लेकिन उनके पशुओं के चारे की समस्या बनी हुई है।

बेहोश कर चोरी करने वाला नेपाल मूल का आरोपी मुठभेड़ के बाद काबू

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-43 की पुलिस ने घरेलू सहायकों के साथ मिलकर चोरी करने वाले नेपाल मूल के आरोपी जगत बहादुर को मुठभेड़ के बाद काबू किया। आरोपी नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश करते थे, जिसके बाद ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपी फेसबुक पर अपना नाम बदलकर घरों में काम करने वाले नेपाल मूल के युवकों व युवतियों के साथ दोस्ती कर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी से एक पिस्तौल, एक कारतूस, बैग में लोहा काटने का कट्टर, प्लास, पेचकश और घटनास्थल से छह खाली कारतूस बरामद किए।

अपराध शाखा सेक्टर-43 की पुलिस टीम को ताऊ देवीलाल पार्क सेक्टर-53 के पास नेपाल मूल का एक युवक घूमता दिखाई दिया। जब पुलिस ने युवक को रुकने के लिए कहा तो उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी। यह गोली पुलिस की सरकारी गाड़ी पर लगी। पुलिसकर्मियों ने युवक को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। इसके बाद आरोपी ने फिर से पुलिस टीम पर गोली चलाई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में एक फायर आरोपी के पैर में किया तो गोली आरोपी के पैर में लगी। गोली लगने से युवक घायल हो गया और पुलिस टीम ने उसको काबू कर लिया।

ऑटो सेक्टर में जीएसटी कम होने से बढ़ेगी मांग

गुरुग्राम। ऑटोमोबाइल सेक्टर में जीएसटी में हुई कमी का गुरुग्राम के उद्यमियों ने स्वागत किया है। ऑटो पार्ट्स और ऑटोमोबाइल से जुड़े उद्यमियों का मानना है कि जीएसटी में कमी के कारण भारतीय बाजार में मांग बढ़ेगी। कारों और अन्य वाहनों के सस्ता होने का असर इस दिवाली पर नजर आ सकता है। गुरुग्राम के प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स पर टैक्स कम होने से जो बचत होंगी, वह परिवार के स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य जरूरतों पर खर्च होगी। ऑटो सेक्टर की इस बार वाकई दिवाली मन सकती है। जीएसटी घटाने से घर-परिवार और किसानों पर बोझ कम होगा तथा कारोबार की लागत घटेगी। इससे बचत बढ़ेगी। कादीपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीपाल शर्मा ने बताया कि जीएसटी कम होने से ऑटो सेक्टर के साथ कृषि उपकरणों का बाजार बढेगा। हमने पहले ही 28% जीएसटी हटाकर 18% जीएसटी का सुझाव दिया था।

वाटरप्रूफ मोबाइल में खराबी पर आयोग ने लगाया 42 हजार का हर्जाना

गाजियाबाद। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मोबाइल निमार्ता कंपनी सोनी इंडिया प्रा. लि. को उपभोक्ता को 42 हजार रुपये अदा करने का आदेश दिया है। यह मामला ग्राहक विनोद कुमार त्यागी द्वारा खरीदे गए सोनी एक्सपीरिया जेड2 मोबाइल से जुड़ा हुआ है। इसमें तकनीकी खामियों के चलते उपभोक्ता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

लोनी के असालतपुर फर्रुखनगर निवासी विनोद कुमार ने बताया कि उन्होंने 31 अक्तूबर 2014 को 37 हजार रुपये नकद भुगतान कर मोबाइल खरीदा था। विक्रेता ने मोबाइल को वाटरप्रूफ और उच्च गुणवत्ता वाला बताया था लेकिन खरीद के तुरंत बाद

ही मोबाइल में हैंगिंग, नेटवर्क समस्या, गर्म होना, बैटरी जल्दी खत्म होना और फाइल अपने आप खुलने जैसी कई तकनीकी खराबियां सामने आईं।

> **उपभोक्ता ने इस दावे के समर्थन में इंटरनेट से प्राप्त सामग्री और शपथ पत्र भी आयोग में प्रस्तुत किया। आयोग की पीठ (शैलजा सचान, आरपी सिंह) ने माना कि यदि मोबाइल वाटरप्रूफ था, तो उसमें लिक्विड डैमेज नहीं होना चाहिए था। इस प्रकार, कंपनी द्वारा सेवा में कमी स्पष्ट रूप से सिद्ध होती है।**

शिकायत के बाद उपभोक्ता को सलाह दी गई कि वे सर्विस सेंटर से संपर्क करें। कई बार मोबाइल दिखाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। रिपोर्ट में लिक्विड डैमेज की बात कही गई, जबकि मोबाइल को वाटरप्रूफ बताया गया था। उपभोक्ता ने इस दावे के समर्थन में इंटरनेट से प्राप्त सामग्री और शपथ पत्र भी आयोग में प्रस्तुत किया। आयोग की पीठ (शैलजा सचान, आरपी सिंह) ने माना कि यदि मोबाइल वाटरप्रूफ था, तो उसमें लिक्विड डैमेज नहीं होना चाहिए था। इस प्रकार, कंपनी द्वारा सेवा में कमी स्पष्ट रूप से सिद्ध होती है।

फैसले में आयोग के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने सोनी इंडिया प्रा. लि. को आदेशित किया कि वह उपभोक्ता को 37 हजार रुपये मोबाइल कीमत और पांच हजार रुपये मानसिक क्षति व परिवाद व्यय 45 दिनों के भीतर अदा करें।

टैक्स दरों में कटौती से कारोबारियों को मिलेगी राहत

फरीदाबाद। सेक्टर-76 स्थित नेक्स्ट सोसाइटी की मार्केट में दुकानदारों ने जीएसटी सुधारों को लेकर राहत की बात कही की। दुकानदारों का कहना है कि सरकार कि ओर से की गई टैक्स दरों में कटौती से आम उपभोक्ता के साथ-साथ कारोबारियों को भी राहत मिलेगी। संवाद कार्यक्रम में जनरल स्टोर चलाने वाले दुकानदारों ने बताया कि अब रोजमर्रा की जरूरत के सामान जैसे टूथपेस्ट, साबुन, शैम्पू, तेल और डेयरी उत्पादों पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे सीधे तौर पर उपभोक्ता को फायदा होगा और बिक्री में भी इजाफा होने की संभावना है। स्टेशनरी दुकानदारों का कहना है कि कॉपियों, किताबों, पेंसिल और क्रेयॉन जैसे शैक्षणिक सामग्री को टैक्स-फ्री कर देना छात्रों और अभिभावकों के लिए बड़ा राहत भरा कदम है। फामेर्सी संचालकों ने भी कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में टैक्स कम करना सराहनीय है। दवाइयों, ऑक्सीजन सिलिंडर और टेस्टिंग किट पर टैक्स घटने से इलाज की लागत कम होगी और मरीजों को राहत मिलेगी। दुकानदारों का कहना है कि सरकार का यह निर्णय आने वाले दिनों में बाजार को रौनक देगा और आम आदमी को सीधा लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की जरूरत का सामान सस्ता हुआ है, इससे ग्राहकों की भीड़ बढ़ेगी और कारोबार में जान आएगी।

संयुक्त अस्पताल में ठप हुई जांच, मरीजों की बढ़ी परेशानी

गाजियाबाद। संजयनगर के संयुक्त जिला अस्पताल में बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर मशीन खराब होने से लिवर, गुर्दा और अन्य जरूरी जांचें पूरी तरह ठप हो गई। इससे जांच कराने आए मरीजों को परेशानी हुई। कई मरीज बिना जांच कराए वापस हुए, जबकि कईयों ने निजी लैब में जांच कराई। बृहस्पतिवार को पूरे दिन लैब में जांच संबंधी सैंपल नहीं लिए गए।

सामान्य दिनों में 250 से 300 लोगों की खून संबंधित जांचें होती हैं। वहीं, एमएमजी अस्पताल में सीटी स्कैन मशीन खराब होने से एक घंटे तक जांच बंद रही। बाद में तकनीकी परेशानी दूर होने से जांच दोबारा शुरू की गई।

संयुक्त अस्पताल की पैथोलॉजी विभाग में दो बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर मशीनें लगी हैं। इनसे रोजाना लगभग 250 से 300 मरीजों की जांच होती है।

इनमें लिवर फंक्शन, किडनी फंक्शन, लिपिड प्रोफाइल, यूरिया, प्रोटीन, यूरिक एसिड समेत करीब 30 प्रकार की जांचें शामिल हैं। बुधवार दोपहर मशीन खराब हो गई थी, तब से लेकर बृहस्पतिवार तक कोई सैंपल नहीं लिया गया।

मशीन खराब है, बाद में आना

गोविंदपुरम से आए 55 वर्षीय सुरेश कुमार को डॉक्टर ने लिवर जांच के लिए भेजा था। सुरेश सुबह साढ़े नौ बजे अस्पताल पहुंचे और लंबी कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते रहे। जब उनकी बारी आई तो लैब टेक्नीशियन ने उन्हें लौटा दिया और बताया कि मशीन खराब है। सुरेश ने बताया कि वह पहले ही तीन दिन से छुट्टी लेकर आए हैं और अब उन्हें प्राइवेट लैब में जाकर जांच करानी पड़ेगी जो कि काफी महंगी है।

निजी लैब में 500 रुपये में कराई जांच

कृष्णा कालोनी से आईं 60 वर्षीय शकुंतला देवी को गुर्दे की समस्या है। डॉक्टर ने तुरंत जांच कराने को कहा था लेकिन अस्पताल में मशीन खराब होने की वजह से उनका सैंपल नहीं लिया गया।

बेहोश कर चोरी करने वाला नेपाल मूल का आरोपी मुठभेड़ के बाद काबू

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-43 की पुलिस ने घरेलू सहायकों के साथ मिलकर चोरी करने वाले नेपाल मूल के आरोपी जगत बहादुर को मुठभेड़ के बाद काबू किया। आरोपी नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश करते थे, जिसके बाद ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपी फेसबुक पर अपना नाम बदलकर घरों में काम करने वाले नेपाल मूल के युवकों व युवतियों के साथ दोस्ती कर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी से एक पिस्तौल, एक कारतूस, बैग में लोहा काटने का कट्टर, प्लास, पेचकश और घटनास्थल से छह खाली कारतूस बरामद किए। अपराध शाखा सेक्टर-43 की पुलिस टीम को ताऊ देवीलाल पार्क सेक्टर-53 के पास नेपाल मूल का एक युवक घूमता दिखाई दिया। जब पुलिस ने युवक को रुकने के लिए कहा तो उसने पुलिस टीम पर गोली चला दी। यह गोली पुलिस की सरकारी गाड़ी पर लगी। पुलिसकर्मियों ने युवक को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। इसके बाद आरोपी ने फिर से पुलिस टीम पर गोली चलाई। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में एक फायर आरोपी के पैरों में किया तो गोली आरोपी के पैर में लगी। गोली लगने से युवक घायल हो गया और पुलिस टीम ने उसको काबू कर लिया। युवक ने अपनी पहचान कैलाली (नेपाल) के वार्ड-9 टिकनपुर निवासी जगत बहादुर (35 वर्ष) के रूप में कराई। गोली लगने से घायल होने पर युवक

को पुलिस ने उपचार के लिए सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने एफएसएल व सीन ऑफ क्राइम की टीमों को बुलवाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। आरोपी जगत बहादुर द्वारा सरकारी कार्य में बाधा डालने व पुलिस टीम पर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने पर उसके खिलाफ सेक्टर-53 थाने में बीएनएस व शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया।

फर्जी आईडी बनाकर करता था काम

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी फर्जी आईडी से ऐसे लोगों (नेपाल के लड़के व लड़कियों) से दोस्ती करता था, जो भारत में किसी के घर में रहकर नौकरी कर रहा हो। उनसे दोस्ती करने के बाद वह भारत आता और उन दोस्तों के साथ मिलकर मकान मालिक व उसके घरवालों को किसी पेय में नशीला पदार्थ मिलाकर उन्हें बेहोश कर देता है। इसके बाद घरों व फ्लैटों से चोरी की वारदात को अंजाम देता था। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह चोरी करने के बाद सामान को टैक्सी में रखकर वापस नेपाल ले जाता है। फिर नए फर्जी नाम से दूसरे लोगों से दोस्ती करता और चोरी की वारदातों को अंजाम देता। आरोपी ने पिछले साल अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर मुंबई में करीब 20 लाख रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

अधिवक्ताओं ने चैंबर की मांग को लेकर लगाया जाम

गुरुग्राम। टावर ऑफ जस्टिस परिसर में चैंबर देने की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को अधिवक्ता अदालत परिसर के बाहर सड़क पर उतर आए। अधिवक्ताओं की तरफ से लगाए गए जाम के कारण राजीव चौक से लेकर सुभाष चौक तक यातायात बाधित रहा। दूसरी तरफ से सोहना बस अड्डे तक जाम पहुंच गया। दो घंटे तक जाम लगाया गया। इस दौरान वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बृहस्पतिवार दोपहर 12 बजे अधिवक्ता अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। सूचना मिलने पर मौके पर पुलिसकर्मी भी पहुंचे। इस दौरान पुलिसकर्मी अधिवक्ताओं को एक तरफ करके वाहनों को निकालने की कोशिश में जुटे रहे। अधिवक्ताओं को समझाने के लिए एसडीएम प्रदीप चहल पहुंचे। उनके आश्वासन के बाद अधिवक्ता सड़क से हट गए।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)